दैनिक

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

वर्षः- 05
अंकः- 154
मुरादाबाद
(Thursday)
25 September 2025
पृष्ठः- 08
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा,बहराइच, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

पीएम मोदी बोले- क्रांतिकारी साबित हुई योजना, स्वास्थ्य रक्षा के लिए सरकार के संकल्प का प्रमाण

पीएम मोदी ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, आयुष्मान भारत के सात वर्ष पूरे हो गए हैं। यह एक ऐसी पहल थी, जिसमें भविष्य की जरूरतों का अनुमान लगाकर लोगों के लिए उच्च गुणवत्ता के साथ किफायती स्वास्थ्य सेवा सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित किया गया। इसकी बदौलत, भारत सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा में क्रांति देख रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि 2018 में शुरू की गई आयुष्मान भारत योजना सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा में क्रांतिकारी साबित हुई है। यह बदलाव प्रत्येक नागरिक के

स्वास्थ्य की रक्षा के लिए सरकार के संकल्प का प्रमाण है। इसके तहत लाभार्थियों के लिए वित्तीय सुरक्षा व सम्मान सुनिश्चित हुआ है।पीएम मोदी ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, आयुष्मान भारत के सात वर्ष पूरे हो गए हैं। यह एक ऐसी पहल थी, जिसमें भविष्य की जरूरतों का अनुमान लगाकर लोगों के लिए उच्च गुणवत्ता के साथ किफायती स्वास्थ्य सेवा सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित किया गया। इसकी बदौलत, भारत सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा में क्रांति देख रहा है। गौरतलब है इस चिकित्सा बीमा योजना के तहत पांच लाख रुपये का वार्षिक स्वास्थ्य कवर प्रदान किया जाता है और गरीब व 70 वर्ष से अधिक आयु के सभी वरिष्ठ नागरिक इस योजना का लाभ उठा सकते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, भारत ने दिखाया है कि कैसे पैमाना, करुणा और तकनीक मानव सशक्तिकरण को आगे बढ़ा सकते हैं। पीएम ने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल को टैग किया है, जिसने अपनी पोस्ट में बताया कि सरकार की इस प्रमुख कल्याणकारी पहल में 55 करोड़ से ज्यादा नागरिक शामिल हैं और यह दुनिया की सबसे बड़ी स्वास्थ्य बीमा योजना है।पोस्ट के मुताबिक, अब तक 42 करोड़ से ज्यादा आयुष्मान कार्ड जारी किए जा चुके हैं। इससे सरकार का स्वास्थ्य व्यय 29 प्रतिशत से बढ़कर 48 प्रतिशत हो गया है, जबकि रोगी का खर्च 63 प्रतिशत से घटकर 39 प्रतिशत रह गया है। पोस्ट में लिखा गया है, लाखों परिवार बीमारी के दौरान आर्थिक तंगी से बाहर आ गए हैं।

हम बिकाऊ नहीं... हमारा भी चरित्र, बसपा में जाने की अटकलों पर बोले आजम खां;अखिलेश का जताया आभार

सपा नेता आजम खां रिहा होने के बाद बुधवार को समर्थकों से मिले और मीडिया से बात की। उन्होंने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव का आभार जताया। कहा कि उनसे मिलने न आने वाले नेताओं से कोई नाराजगी नहीं है।जेल से रिहा होने के बाद बुधवार को पहली बार घर से बाहर निकले सपा के कद्दावर नेता और पूर्व मंत्री आजम खां ने समर्थकों से मुलाकात कर मीडिया से बातचीत की। लंबे समय बाद सार्वजनिक मंच पर लौटे आजम खां ने अपने राजनीतिक रुख, अखिलेश यादव से रिश्ते, बसपा में जाने की अटकलों और मुकदमों पर खुलकर राय रखी। आजम खां ने समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव को बड़ा नेता बताते हुए कहा कि उन्होंने मेरे बारे में बात करके हौसला बढ़ाया। मैं उनका शुक्रगुजार हूं। अखिलेश मेरे उतने ही करीब हैं, जितने नेताजी (मुलायम सिंह यादव) थे।पत्नी का नंबर तक भूल गया- पूर्व मंत्री ने जेल के जीवन को बेहद कठिन बताया। उन्होंने कहा कि जेल में रहने से जिंदगी बदल गई। यहां तक कि मोबाइल चलाना तक भूल गया हूं। मुझे अपनी पत्नी का नंबर था उसे भी भूल गया हूं। किसी के लिए कड़वाहट नहीं- जब उनसे पूछा गया कि जेल के दौरान कई बड़े नेता उनसे मिलने नहीं आए, तो आज़म खां ने कहा कि मेरे मन में किसी के लिए नाराजगी नहीं है। मैं चाहता हूं कि वह खुश और आबाद रहें। हालांकि उन्होंने यह भी जोड़ा कि पहले जो लोग उन्हें नहीं पहचानते थे, अब दर्ज मुकदमों की वजह से सब जानने लगे हैं। बसपा पर साफ जवाब- बसपा में शामिल होने की अटकलों पर उन्होंने दो टूक कहा कि हमारे पास चरित्र नाम की एक चीज है। इसका मतलब यह नहीं कि हमारे पास कोई पद या ओहदा हो। लोग हमें प्यार करें, इज्जत दें और यह साबित हो कि हम बिकाऊ माल नहीं हैं, यही काफी है। मुरादाबाद के पूर्व सांसद एचटी हसन को लेकर उन्होंने कहा कि जब मैं अपने आदमी को टिकट नहीं दिला पाया, तो किसी और का टिकट कैसे कटवा सकता हूं।

संक्षिप्त समाचार

राहुल गांधी बोले- मेरा होइड्रोजन बम आना बाकी है; पटना में कहा- अब मेरी गारंटी है यह

अब राहुल गांधी ने पीएम नरेंद्र मोदी की तरह राहुल गांधी की गारंटी दी है। इसके साथ ही पटना में कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक के बाद विपक्षी दलों के नेताओं के साथ खड़े होकर उन्होंने एलान किया कि उनका हाइड्रोजन बम आना बाकी है।लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने एलान किया है कि उन्होंने जिस हाइड्रोजन बम की बात कही थी, वह आया नहीं है। आने वाला है। जिस दिन आएगा, सभी को सच्चाई का पता चल जाएगा। राहुल गांधी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी संविधान को खत्म करना चाहती है। मैं भागीदारी के हिसाब से हिस्सेदारी के लिए गारंटी देता हूं। यह मेरी गारंटी है। क्योंकि, हम संविधान मानते हैं। राहुल गांधी ने पटना में कांग्रेस कार्यसमिति की विस्तारित बैठक के बाद विपक्षी गठबंधन के नेताओं के साथ मंच साझा करते हुए मीडिया से बात की। उन्होंने कहा- 卐हमारा लक्ष्य है कि जिसकी जितनी भागीदारी है, उसे उतनी हिस्सेदारी मिलनी चाहिए। मुझे आप बताइए पिछले 20 साल से नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार में एनडीए की सरकार है, लेकिन अति पिछड़ों के लिए यह सब काम उन्होंने क्यों नहीं किया? उन्होंने नगर निकाय में आपके आरक्षण सीमा को क्यों नहीं बढ़ाया? सरकारी ठेकों में आपको आरक्षण क्यों नहीं दिया? एनडीए सरकार वाले पिछले 20 साल से आपको यूज कर रहे थे, गुमराह कर रहे थे।

राष्ट्रपति का मथुरा दौरा आजः स्टेशन पर ढोल-नगाड़ों से होगा स्वागत, दीवारों पर नजर आएंगी श्रीकृष्णा की लीलाएं

सुबह 10 बजे राष्ट्रपति वृंदावन की पावन भूमि पर होंगी। उनके आगमन से पूर्व पुलिस प्रशासन ने तैयारियों को पूरा कर लिया है। जब से राष्ट्रपति के आने का संदेश प्रशासन के पास पहुंचा तभी से विकास कार्यों का ज्वार फूट पड़ा।वृंदावन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के आगमन से पूर्व ही मथुरा-वृंदावन सजकर तैयार हो गया है। यहां की एक-एक दीवारें श्रीकृष्ण की लीलाओं का वर्णन कर उनका स्वागत कर रही हैं। सड़क से लेकर बाजार तक अद्भुत नजारा बिखेरे हुए हैं। कई दिनों से तैयारियों में जुटा प्रशासन अब उनके स्वागत और सुरक्षा में जुटने को बेताब है। ब्रज के कलाकार भी उन्हें अपनी लोक कलाओं को दिखा हाथ जोड़कर उनका अभिवादन करेंगे। मथुरा-वृंदावन में दो दर्जन स्थानों पर कलाकार पारंपरिक प्रस्तुतियां देते हुए सड़क के किनारे नजर आएंगे। इंतजार की घड़ी बृहस्पतिवार को खत्म होने जा रही है। सुबह 10 बजे राष्ट्रपति वृंदावन की पावन भूमि पर होंगी। उनके आगमन से पूर्व पुलिस प्रशासन ने तैयारियों को पूरा कर लिया है। जब से राष्ट्रपति के आने का संदेश प्रशासन के पास पहुंचा तभी से विकास कार्यों का ज्वार फूट पड़ा। सड़कों से लेकर खंभे तक दुरुस्त कर दिए गए।मंदिरों में सफाई से लेकर रंगाई-पुताई भी शुरू हो गई। वृंदावन रेलवे स्टेशन के हालात को सुधारा गया। जर्जर अवस्था में पहुंच चुके इस स्टेशन के ऐसे दिन बहुरेंगे, यह किसी ने सोचा भी नहीं था। छटींकरा से लेकर बांकेबिहारी मंदिर, निधिवन और सुदामा कुटी के मार्ग को

ऐसा कर दिया है कि जिससे देखने के बाद हर कोई मोहित हो रहा है। जिलाधिकारी सीपी सिंह और एसएसपी श्लोक कुमार से सभी विभागों के कार्य निर्धारित कर रखे थे। सभी विभाग अपने अपने कार्यों को बखूबी अंजाम देने में लगे हैं। सुदामा कुटी में अपनी मां के नाम कल्प वृक्ष का पौधा रोपेंगी राष्ट्रपति वृंदावन धाम में आने के बाद राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू कान्हा की भक्ति में लीन रहेंगी। श्रीबांकेबिहारी मंदिर में दर्शन कर देहरी पूजन और चांदी के दीपक में गिर गाय के घी से दीपदान करने के बाद वह निधिवन के बाद सुदामा कुटी में भजनकुटी का लोकार्पण करने के बाद वह यहां अपनी मां के नाम कल्प वृक्ष के पौधे को रोंपेगी। राष्ट्रपति के आगमन पर सुदामा कुटी को पूरी तरह से चमका दिया है। हर ओर बस सुखद नजारा बिखर गया है। महंत सुतीक्ष्णदास महाराज ने बताया कि यहां आने के बाद राष्ट्रपति गोपूजन के साथ-साथ संतों के साथ आध्यात्म पर चर्चा भी करेंगी। आश्रम में मौजूद रहने वालों की संख्या भी निश्चित है। 50 संतों के अलावा अधिकारी वर्ग ही आश्रम में रहेगा। उन्होंने बताया कि वह खुद ही राष्ट्रपति को निमंत्रण देने के लिए गए थे। तब उन्होंने आश्रम पर आने के बाद आश्वासन दिया था। विकास की रोशनी से जगमगाया श्रीकुब्जा कृष्ण मंदिर- अंतापाड़ा स्थित श्रीकुब्जा कृष्ण मंदिर के आसपास क्षेत्र विकास की रोशनी से जगमगाने लगा है। बुधवार को मंदिर के आसपास क्षेत्र का सौंदर्यीकरण कार्य जारी है। मार्ग पर देर रात तक इंटरलॉकिंग कार्य होता रहा। वहीं एसएसपी श्लोक कुमार व जिलाधिकारी चंद्रप्रकाश ने मंदिर में बने कमरों से कबाड़ हटाकर सजाने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ-साथ नगर निगम की टीम ने मंदिर के सामने नाले के किनारे टिनशेड लगा दी है। साथ ही एंटी लार्वा और सुगंधित लिक्विड का छिड़काव कराया गया। मंदिर के चारों ओर सफाई भी कराई। स्थानीय लोगों का कहना है कि विकास कार्यों के चलते मंदिर क्षेत्र का स्वरूप पहले से ज्यादा आकर्षक हो गया है। मंदिर से लेकर पूरे मार्ग को विशेष रूप से सजाया गया है। दीवारों की रंगाई-पुताई, फूलों की सजावट और रंगोली का भी मंदिर के गर्भगृह से लेकर प्रांगण तक हर स्थान को विशेष रूप से सजाया जा रहा है। दीवारों की रंगाई-पुताई, फूलों की सजावट और रंगोली का भी कार्य पूरा हो गया। मंदिर के मुख्य द्वार को राष्ट्रपति के लिए स्वागत के लिए सजाया गया है। राष्ट्रपति की सुरक्षा का पूर्वाभ्यास, गहनता से परखीं तैयारियां- राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के आने से पहले बुधवार को पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों ने कड़ी सुरक्षा व्यवस्था का पूर्वाभ्यास किया। वीवीआईपी मूवमेंट के दौरान काफिले की आवाजाही, मार्ग सुरक्षा और आपात स्थिति से निपटने की तैयारी का गहन परीक्षण किया। साथ ही डॉग व बम स्क्वायड टीम ने भी चेकिंग की। पूर्वाभ्यास के दौरान पुलिस, पीएसी और केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों के जवान तैनात रहे। काफिले की आवाजाही के समय जगह-जगह लगाए गए बैरिकेड्स और डायवर्जन की व्यवस्था को परखा। ट्रैफिक पुलिस ने भी निर्धारित मार्गों पर वाहनों को डायवर्ट रखा। यह काफिला बुधवार सुबह छटीकरा स्थित रेलवे स्टेशन से चला। प्रस्तावित कार्यस्थलों से होते हुए श्रीकृष्ण जन्मभूमि पहुंचा। दिन पहले मिनट-टू मिनट प्रस्तावित कार्यक्रम स्थलों पर पूर्वाभ्यास किया। एसएसपी श्लोक कुमार व सुरक्षा एजेंसियों के आला अधिकारियों ने पूर्वाभ्यास की मॉनिटरिंग की। जहां-जहां कमियां दिखीं अधिकारियों ने उन्हें दुरुस्त कराया। ताकि राष्ट्रपति के दौरे के समय सुरक्षा में कोई कमी न हो सके। इसके अलावा डॉग स्क्वायड और बम डिस्पोजल टीम ने कार्यक्रम स्थल और आसपास के क्षेत्रों की तलाशी ली।

भीम आर्मी चीफ के प्राइवेट वीडियो लीक, रोहिणी ने सोशल मीडिया पर दी आत्महत्या की धमकी

इंदौर की रहने वाली और वर्तमान में स्विट्जरलैंड में कार्यरत पीएचडी स्कॉलर डॉ. रोहिणी घावरी ने भीम आर्मी प्रमुख और सांसद चंद्रशेखर आजाद पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए आत्महत्या करने की धमकी दी है। उत्तर प्रदेश की नगीना सीट से सांसद और भीम आर्मी के संस्थापक चंद्रशेखर आजाद पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाने वाली इंदौर की पीएचडी स्कॉलर डॉ. रोहिणी घावरी ने सोशल मीडिया पर आत्महत्या करने की धमकी दी है। वर्तमान में स्विट्जरलैंड में रह रहीं रोहिणी ने दिल्ली पुलिस पर कार्रवाई न करने और सिस्टम पर ताकतवर लोगों का साथ देने का आरोप लगाया है। क्या है पूरा मामला?- इंदौर के एक सफाईकर्मी की बेटी डॉ. रोहिणी घावरी एक प्रतिष्ठित पीएचडी स्कॉलर हैं जो स्विट्जरलैंड में नौकरी करने के साथ एक एनजीओ भी चलाती हैं। रोहिणी ने तीन महीने पहले सोशल मीडिया पर खुलासा किया था कि वह और सांसद चंद्रशेखर आजाद तीन साल तक रिलेशनशिप में थे। उन्होंने चंद्रशेखर पर यौन उत्पीड़न और धोखा देने जैसे कई गंभीर आरोप लगाए थे। इस मामले में उन्होंने राष्ट्रीय महिला आयोग में शिकायत भी दर्ज कराई थी।सोशल मीडिया पर दी आत्महत्या की धमकी-बुधवार को डॉ. रोहिणी ने अपने ङ्ग (पूर्व में ट्विटर) अकाउंट पर कई पोस्ट किए, जिनमें उन्होंने आत्महत्या करने की बात कही। एक पोस्ट में उन्होंने चंद्रशेखर, उनकी पत्नी और बच्चे की तस्वीर साझा करते हुए लिखा, मेरा जीवन बर्बाद कर के खुशियां मना रहा है। आज ही तेरे नाम पर जहर खाऊंगी। इसके साथ ही उन्होंने कुछ निजी वीडियो साझा करते हुए आरोप लगाया कि चंद्रशेखर ने उन्हें रिश्ते में जबरदस्ती बांधकर रखा था। प्रधानमंत्री को टैग कर लगाई थी न्याय की गुहार- दो दिन पहले रोहिणी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को टैग करते हुए एक पोस्ट में लिखा था कि न्याय न मिलने पर वह यूनाइटेड नेशन के मंच से अपना जीवन समाप्त कर लेंगी। उन्होंने आरोप लगाया कि गंदी राजनीति के कारण दिल्ली पुलिस उनकी स्नङ्क्र तक दर्ज नहीं कर रही है और पूरा सिस्टम केवल ताकतवर लोगों की सुनता है। पुलिस पर कार्रवाई न करने का आरोप डॉ. रोहिणी ने एक बयान में कहा, मैंने दिल्ली के कमिश्नर से कई बार मुलाकात की और सभी सबूत दिए, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही है। जब भी मैं कमिश्नर से बात करती हूं तो वे कहते हैं कि ऊपर से कार्रवाई का कोई ऑर्डर नहीं है। मेरे पास जान देने के अलावा और क्या चारा बचता है? हमारे देश में पीड़िता को न्याय के लिए मरना पड़ता है।

संपादकीय Editorial

Launch of "Cheap Days"

What was the theme of the Prime Minister's address to the nation? The day the GST Council unanimously decided to reduce rates, the country received comprehensive information about the implementation of GST reforms. Prime Minister Modi also addressed the nation from the ramparts of the Red Fort on Independence Day, referring to the "double gift" of Diwali. Since Sharadiya Navratri marks the beginning of the "cheap days," the implementation of GST reforms was linked to the festival of worship of Shakti. This was not the subject of the Prime Minister's 20-minute national address. If this address was intended to garner public support, the Prime Minister cannot be stopped from engaging in that political activity. Congress President Mallikarjun Kharge also played politics on GST when he stated that ?55 lakh crore had been collected in GST in eight years. Now the cat has gone on Hajj. Anyway, leaving politics aside, let's talk about GST reforms. Prime Minister Modi has also called it a "festival of savings." He has also linked these reforms to the country's self-reliance and Swadeshi resolve, which is why the Prime Minister must have felt this call was necessary for a national address! Prime Minister Modi has assured the nation that as soon as the GST reforms are implemented, with the sunrise of Navratri, more than 375 items will become cheaper. Nearly 99% of items will either be subject to a 5% GST or have zero tax. For example, 33 life-saving medicines, including cancer, have been made completely tax-free. These "cheap days" will undoubtedly benefit the poor, middle class, youth, women, farmers, shopkeepers, traders, entrepreneurs, and others. According to a recent report by the agency CRISIL, every urban person will save an average of ?1,819 per month, and every rural person will save an average of ?1,154 per month. Monthly expenses could decrease by approximately 27%. Undoubtedly, with money in the pockets of the common man, their purchasing power and demand will increase. With demand, the market will also flourish. As the market expands, companies and small, cottage industries will also accelerate and expand their production. Increased production and increased trade will also lead to the expansion of the country's economy. India could become the world's third largest economy by the end of the 2025-26 financial year. These prospects are linked to the litmus test of GST reforms. Prime Minister Modi estimates that the implementation of these reforms will save citizens ?2.5 lakh crore, making it a "festival of savings." The most important and fundamental question regarding GST reforms is whether the average consumer will receive goods at reduced rates at the retail market level. Will goods with old MRPs also be available at reduced rates? For now, the government has assured that shopkeepers will sell goods at reduced rates. Shopkeepers can adjust this when filing GST returns. The question also arises: will mutual cooperation between the central and state governments be possible in fully implementing these reforms, given that many states are ruled by opposition parties? States will certainly implement these reforms, but they have begun to say that reducing rates will result in a loss of approximately ?48,000 crore, and therefore, the central government should begin compensating them immediately. Paradoxically, there will be no impact on the prices of flour, rice, wheat, pulses, fresh vegetables, fruits, milk, yogurt, buttermilk, eggs, salt, natural honey, and drinking water (excluding packaged). Furthermore, GST on gold, silver, petrol, diesel, cylinders, smartphones, and laptops will remain unchanged. Many of these items are essential for our daily needs. Why haven't they been reduced? However, imposing a 40% GST on luxury goods.

Consumers and Industry: The Impact of GST Reforms Will Be Visible Soon

It's high time for the government to investigate the reasons why even our capable industries are holding back research and development. Could it be that there are flaws in the government system that are causing industry to shy away from fulfilling its responsibilities? The implementation of the concessions provided under the GST reforms has begun, and the Prime Minister called the occasion a "Savings Festival." He also appealed to the public to buy only indigenous products. This is indeed true, but are our industries able to produce all the goods consumers need, and is their quality world-class? Our industry faces these questions. Because of this, our dependence on Chinese goods is showing no signs of ending, and the trade deficit with China is failing to reduce. It's not as if the idea of ??adopting the path of indigenous products and making the country self-reliant is being discussed only now. These issues were emphasized during the COVID pandemic, but the results haven't been as expected. The main reason for this is Indian industry's reluctance to engage in research and development. Due to a lack of research and development, India is unable to innovate like American and European companies, which make it easier for our youth to find jobs. This lack of research and development exists even when large industries have no shortage of funds. It is a matter of concern that Indian products are unable to establish their place in the global market. If Indian industry cannot establish its place in the global market, how can India become self-reliant? Self-reliance does not mean that goods manufactured in India should be sold only in India. Unfortunately, many goods that could easily be manufactured in the country have to be imported. One reason for this is the low cost of imported goods and the poor quality of Indian-made goods. This is the age of technology, and the technical prowess of Indian youth is no secret, yet they see better employment opportunities abroad. Why are Indian companies unable to provide them with jobs within the country? If they could, perhaps the unexpected increase in H-1B visa fees by the US would not create concern and uncertainty. The government has long been encouraging Indian industries to meet global competition, but the results have been in vain. It is high time the government investigated the reasons why even our capable industries are not pursuing research and development. Could it be that there are flaws in the government machinery that are causing industry to shy away from fulfilling its share of responsibility?

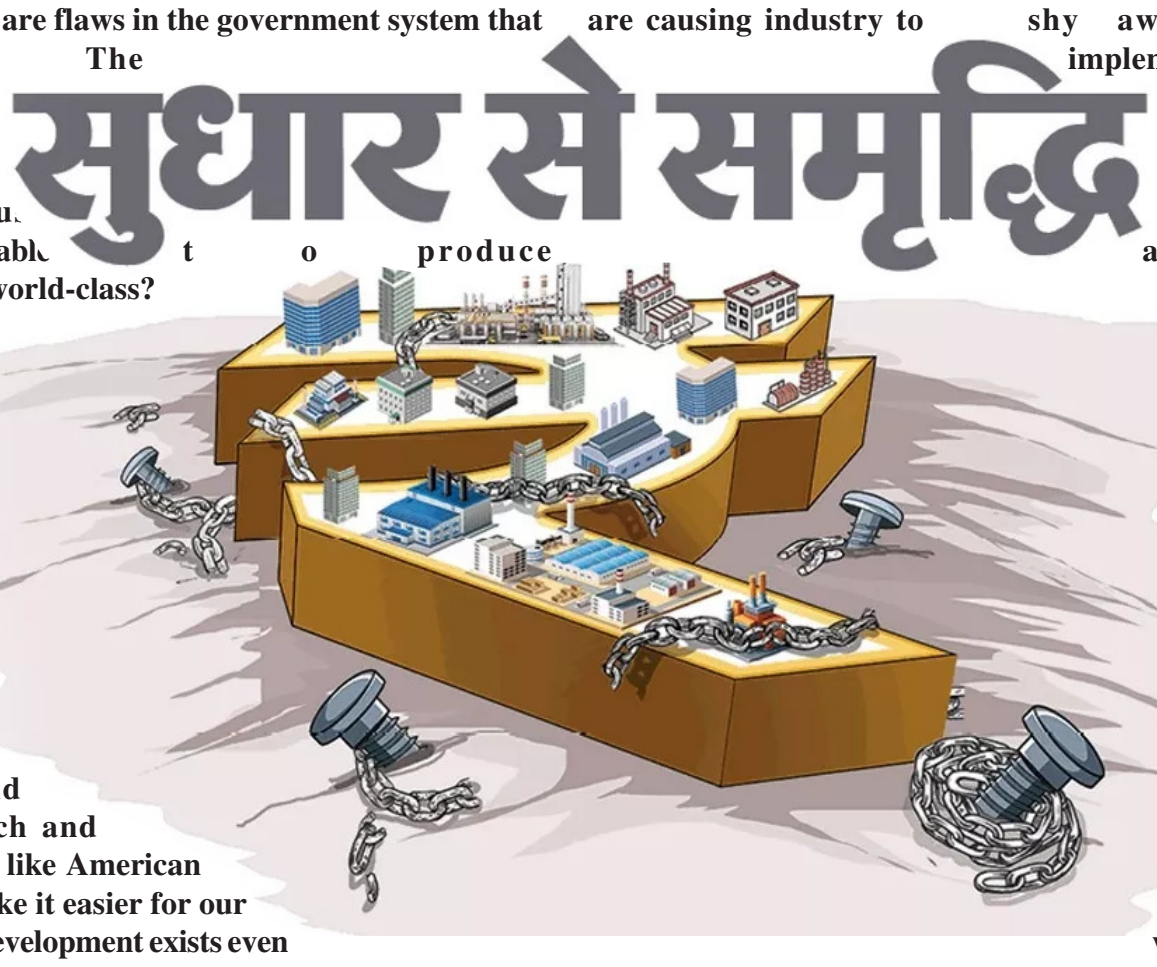

An unparalleled saga of extraordinary valor, the 1965 war remains relevant even after sixty years because Pakistan has not reformed.

Six years after the 1965 war, our forces achieved a resounding victory in 1971. Sixty years later, Operation Sindoor once again demonstrated how our response to Pakistan-sponsored terrorism has evolved. The use of new technologies during this period has yielded comprehensive and effective results. History holds clues for the present and the future. One such part of our history is 1965. That year saw the first formal war between India and Pakistan. Today, September 23rd, marks sixty years since that war. Prior to this, immediately after independence, India had given a befitting reply to Pakistan's audacity in Jammu and Kashmir. However, after the defeat at the hands of China in 1962, Pakistan perceived India's weakness, as that war exposed serious flaws in India's defense preparedness, intelligence, and coordination between the political leadership and the military. Furthermore, Pakistan strengthened its ties with the Dragon by ceding the Shaksgam Valley to China in 1963. China also conducted its first nuclear test the following year. Around this time, Pakistan was becoming a member of organizations like CENTO and SEATO. CENTO was a military alliance consisting of Turkey, Iran, Pakistan, and Britain. SEATO, aimed at countering communism in Southeast Asia, included the United States, France, Australia, New Zealand, the Philippines, Thailand, and Pakistan. Both organizations were formed in response to communist expansionism during the Cold War. Pakistan's strength grew through their participation. After the death of its first Prime Minister, Pandit Jawaharlal Nehru, Pakistan felt that India, already militarily weakened, had also weakened politically.

Seizing the opportunity, it launched Operation Desert Hawk in February 1965. Through this military operation, Pakistan attacked outposts along the Indian border, threatening the Rann of Kutch. India responded with Operation Ablaze. Meanwhile, India captured Point 13,620, a strategic peak in Kargil, controlling the area from Srinagar to Leh. In this context, the Kutch Agreement was signed on July 1st, mediated by Britain, forcing India to vacate the territories it had captured in Kargil. Just a month later, on August 5th, Pakistan launched Operation Gibraltar, which proved suicidal. Under this operation, Pakistan sent thousands of soldiers as infiltrators to provoke Kashmiris, but this calculation was based on miscalculations. Kashmiris did not rise to revolt. Instead, the Western Command, led by Lieutenant General Harbaksh Singh, eliminated any possibility of infiltration by gaining control of strategic areas in Kargil, Tithwal, and Haji Pir. The hoisting of the Indian flag over Ranjit Singh Dayal's Haji Pir became a lasting image in India's military history. Pakistan then launched Operation Grand Slam, aimed at infiltrating India and capturing Chhamb. Without giving any reason, Pakistan removed its division commander, Major General Akhtar Hussain Malik, from his post and appointed Major General Yahya Khan, a favorite of Ayub Khan. India opened a front across the international border during that period. Operation Riddle, under the 11th Corps, launched an offensive towards Lahore. Dograi was also captured during this period.

India also thwarted Pakistan's plans to cut off Amritsar from India. During this war, Abdul Hamid, who displayed exceptional bravery in the Battle of Asal Uttar (near Sialkot), was posthumously awarded the Param Vir Chakra. He destroyed Pakistani Patton tanks, considered invincible at the time, with his jeep. Undoubtedly, many lessons were learned from that war, but even sixty years later, their lessons remain relevant because Pakistan-sponsored terrorism, distortion of narrative, the relevance of regional disputes, and the role of external powers remain, albeit in various forms. The nature of wars has also changed during this period. In 1947-48 and 1962, the Indian Army fought alongside the Air Force, while in 1965, the Navy's role was limited and it was not permitted to cross the border. In 1971, all three services were utilized, but the focus was on the Eastern Front. The Western Front was primarily viewed as a holding action for India. The Kargil (1999) conflict bore similarities to 1965 in terms of infiltration, but the fighting was confined to a specific area, with no reference to crossing the Line of Control. The surgical strikes, air strikes, and Operation Sindoor in response to recent terrorist attacks demonstrate the continuing security challenges facing the country.

Meanwhile, there was the brutal Galwan conflict. This situation demonstrates that the growing nefarious plots in the neighborhood cannot be ignored. The 1965 war was not merely a military conflict, but a national resolve, where Indian soldiers fought with courage and determination despite their military shortcomings. This war, fueled by public sentiment, inflicted a heavy blow on Pakistan. An important lesson learned after 1965 was that self-reliance cannot be viewed in isolation. It must be combined with defense cooperation, strategic alliances, and the availability of advanced technologies and critical materials. Six years after the 1965 war, our forces We achieved a resounding victory in 1971. Sixty years later, Operation Sindoor once again demonstrates how our response to Pakistan-sponsored terrorism has evolved. The use of new technologies has yielded extensive and effective results. We must view the 1965 war as a strategic expression of the nation's resolve and the capability of its armed forces.

मुरादाबाद किसान महापंचायत: टिकैत बोले- किसानों की जमीन लूटने की तैयारी, 2027 के बाद आएगा आजम खां का दिन

मुरादाबाद के आंबेडकर पार्क में हुई किसान महापंचायत में भाकियू नेता राकेश टिकैत ने सरकार पर किसानों की अनदेखी का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि किसानों की जमीन लूटने की तैयारी है, गन्ना और फसलों का उचित दाम नहीं मिल रहा और एमएसपी कानून अब भी अधूरा है। टिकैत ने आजम खां की रिहाई पर भी कहा कि उनका समय 2027 के बाद आएगा।मुरादाबाद में बुधवार को आंबेडकर पार्क में किसान संगठनों की महापंचायत आयोजित हुई। इसमें भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) के राष्ट्रीय प्रवक्ता और किसान नेता राकेश टिकैत शामिल हुए। जिले भर से बड़ी संख्या में किसान पंचायत में पहुंचे। सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस प्रशासन ने पहले से ही पुख्ता इंतजाम किए थे। महापंचायत में राकेश टिकैत ने केंद्र और राज्य सरकार पर किसानों की अनदेखी का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि किसानों की जमीन लूटने की तैयारी चल रही है। गन्ने का उचित भाव नहीं मिल रहा, एमएसपी कानून की मांग अब भी अधूरी है। उन्होंने कहा कि किसानों की फसलों के दाम तय करने की बजाय उन्हें मुकदमों में फंसाने का काम किया जा रहा है।उन्होंने कहा कि यह सरकार उद्योगपतियों के इशारे पर चल रही है, जिससे किसानों और आम जनता की परेशानियां बढ़ रही हैं। उन्होंने बेरोजगारी के मुद्दे को भी गंभीर बताया और कहा कि लगातार युवा बेरोजगार हो रहे हैं, लेकिन सरकार इस ओर ध्यान नहीं दे रही है। महापंचायत के दौरान टिकैत ने समाजवादी पार्टी नेता आजम खां की रिहाई पर भी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि आजम खां को अभी और कुछ समय काटना पड़ेगा। उनका दिन 2027 के बाद आएगा। महापंचायत में किसानों ने जोरदार नारेबाजी की और अपनी समस्याओं को उठाया। नेताओं ने साफ कहा कि जब तक एमएसपी कानून नहीं बनेगा और किसानों की फसलों के दाम सुनिश्चित नहीं होंगे, तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

दो माह बाद होनी थी शादी: स्कूल से लौट रही शिक्षिका पर फेंका तेजाब, चेहरा-पेट झुलसा; चाचा की जुबानी पूरी कहानी

घटनास्थल से लोग शिक्षिका को घर लेकर पहुंचे और परिजनों को जानकारी दी। परिजनों ने जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। जिला अस्पताल के चिकित्सक डॉ. राजेश ने बताया कि 30 प्रतिशत शरीर को एसिड ने झुलसाया है।यूपी के संभल स्थित नखासा थाना क्षेत्र के गांव शरीफपुर निवासी निजी स्कूल की शिक्षिका भावना पर मंगलवार की दोपहर स्कूटर सवार व्यक्ति ने राह चलते हुए एसिड डालकर झुलसा दिया। शिक्षिका के चीखने पर आस-पास के लोग एकत्र हो गए। जब तक स्कूटी सवार आरोपी भाग गया। चेहरा और पेट झूलसा- घटनास्थल से लोग शिक्षिका को घर लेकर पहुंचे और परिजनों को जानकारी दी। परिजनों ने जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। जिला अस्पताल के चिकित्सक डॉ. राजेश ने बताया कि 30 प्रतिशत शरीर को एसिड ने झुलसाया है। हालत गंभीर होने पर रेफर किया गया है। वहीं, दूसरी ओर एसपी कृष्ण कुमार विश्नोई का कहना है कि आरोपी का सुराग लग गया है। जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।दो महीने बाद थी शादी- शिक्षिका के चाचा विनोद कुमार ने बताया कि उनकी भतीजी गांव से करीब तीन किलोमीटर दूर एक निजी स्कूल में पढ़ाने जाती है। मंगलवार की दोपहर करीब दो बजे घर लौट रही थी। इसी दौरान घटना को अंजाम दिया गया है। बताया कि पड़ोसी गांव से रिश्ता हो गया है। दो महीने बाद शादी होनी थी। शादी की तैयारियां तेजी से चल रही हैं। ऐसे में इस घटना से पूरा परिवार बेहाल है। वहीं दूसरी ओर घटना की सूचना पर सक्रिय हुई पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी कैमरे चेक किए हैं। पुलिस की फॉरेंसिक टीम ने मौके से एक प्लास्टिक की बोतल जब्त की है। जिसमें यह एसिड लाया गया था। पुलिस आरोपी की तलाश में लगी है। पुलिस का बयान- किसी केमिकल से निजी स्कूल की शिक्षिका पर हमला किया गया है। फॉरेंसिक टीम ने नमूने एकत्र किए हैं। तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज की जा रही है। जल्द ही इसमें कड़ी कार्रवाई की जाएगी। -कृष्ण कुमार विश्नोई, एसपी, संभल।

इश्क, साजिश और कत्ल: पेंटर का मर्डर करने बाद मनोज ने खरीदा नया सिम, इस एप से स्वाति से की इतनी बार बात; खुलासा

मुरादाबाद के पाकबड़ा के गुरैठा गांव निवासी पेंटर की हत्या के बाद आरोपी प्रेमी मनोज ने नया सिम खरीदा था। इसके बाद उसने व्हाट्सएप कॉल पर प्रेमिका स्वाति से बात की थी। आरोपी ने स्वाति के पास कई बार फोन किया, पुलिस और ग्रामीणों की पल-पल की गतिविधियों की जानकारी ली।मुरादाबाद के पाकबड़ा के गुरैठा गांव निवासी पेंटर योगेश की हत्या की जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है वैसे वैसे नए तथ्य सामने आ रहे हैं। हत्या करने के बाद मनोज ने पाकबड़ा से नया सिम खरीदा। इसके बाद उसने व्हाट्सएप कॉल पर कई बार स्वाति से बातचीत की। इस दौरान आरोपी मनोज ग्रामीणों और पुलिस की हर गतिविधि के बारे में स्वाति से जानकारी लेता रहा। गुरैठा गांव निवासी शोभाराम की बेटी स्वाति हर हाल में सैलून चलाने वाले बदायूं निवासी मनोज को पाना चाहती थी। इसके लिए वह अपने पिता और भाइयों को जेल भिजवाने के लिए तैयार हो गई थी। पुलिस मनोज, स्वाति और मनोज के रिश्तेदार मंजीत को जेल भेज चुकी है। पुलिस की जांच में सामने आया है कि 17 सितंबर की रात पेंटर योगेश की हत्या करने के बाद मनोज ने गुरैठा गांव निवासी शोभराम, उसके बेटे कपिल और गौरव को फंसाने के लिए पुलिस को कॉल की थीइसके बाद आरोपी मनोज और उसका रिश्तेदार पाकबड़ा में किराये के मकान चले गए थे। सुबह उसने पाकबड़ा से नया सिम खरीदा। इसके जरिए ही उसने स्वाति को व्हाट्सएप कॉल की। पल-पल की जानकारी स्वाति के जरिए मनोज तक पहुंच रही थी।पुलिस शोभाराम और उसके बेटों को पुलिस पकड़ कर थाने ले गई तो स्वाति ने मनोज को कॉल कर इसकी भी जानकारी दे दी थी। दोनों के बीच दर्जन भर से ज्यादा बार व्हाट्सएप पर बातचीत हुई थी।पुलिस आरोपियों को कोर्ट से सजा दिलाने के लिए मजबूत चार्जशीट तैयार कर रही है जिसमें डिजिटल और फोरेंसिक साक्ष्यों को चार्जशीट का हिस्सा बना रही है। मनोज और स्वाति के बीच हुई बातचीत की कॉल डिटेल निकलवा ली गई है।बेटी की करतूत से घर में कैद हुआ शोभाराम का परिवार- योगेश की हत्या में पहले दिन से ही शोभाराम के परिवार पर शक था। इस हत्याकांड में शोभाराम और उसके बेटों को हाथ तो नहीं निकला लेकिन बेटी इस हत्याकांड की मास्टरमाइंड निकली। पुलिस ने पूछताछ के बाद शोभाराम और उसके बेटों को छोड़ दिया है लेकिन पूरा परिवार बेटी की करतूत की वजह से अपने ही घर में कैद हो गया है।18 सितंबर की सुबह मिली थी पेंटर की लाश- एसएसपी सतपाल अंतिल ने बताया कि 18 सितंबर की सुबह पाकबड़ा के मौढ़ा तैय्या के पास कब्रिस्तान में एक युवक का शव मिला था। उसकी पहचान गुरैठा निवासी 21 वर्षीय पेंटर योगेश के रूप में हुई थी। इस मामले में योगेश के भाई उमेश ने गांव में रहने वाले शोभाराम, उसके बेटे गौरव और कपिल के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्ज कराई थी।पुलिस ने इस मामले में जांच पड़ताल की तो सामने आया है कि हत्याकांड में गौरव, कपिल शामिल नहीं थे बल्कि इनकी बहन स्वाति शामिल थी। जांच में पता चला कि बदायूं के फैजगंज बेहटा थाना इलाके के खेड़ादास निवासी मनोज पाकबड़ा में सौनियों वाला बड़ा मंदिर में किराये पर रहता था, जो गुरैठा गांव में सैलून चलाता था।मनोज और स्वाति के बीच प्रेम संबंध थे लेकिन परिवार के लोगों को इसकी भनक लग गई थी। क्राइम पेट्रोल देखने के बाद मनोज ने स्वाति को बताया कि किसी व्यक्ति की हत्या करने के बाद तुम्हारे पिता-भाइयों को जेल भिजवा देंगे। इस पर स्वाति राजी हो गई थी।रविवार की रात पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान मनोज और उसके ममेरे भाई डिलारी के तेलीपुरा निवासी मंजीत को गिरफ्तार किया। इस दौरान मनोज के पैर में गोली लगी। इसके बाद पुलिस ने स्वाति को भी गिरफ्तार कर लिया। आरोपी युवती ने पूछताछ में कबूला है कि वह खाने में नींद की गोलियां मिलाकर परिवार को सुला देती थी।इसके बाद वह मनोज को अपने घर बुलाकर उससे बातचीत करती थी। कुछ दिन से परिवार के लोगों को शक होने लगा था। जिस कारण मनोज और स्वाति की बात नहीं हो पा रही थी। उन्होंने योगेश की हत्या करने के बाद उसके ही फोन से पुलिस को कॉल की थी ताकि स्वाति के पिता और भाई जेल चले जाएं। इसके बाद उनका मिलना जुलना शुरू हो जाएगा।यह था मामला- मुरादाबाद के पाकबड़ा में मुठभेड़ में पुलिस ने पेंटर योगेश हत्याकांड के आरोपी मनोज और उसके रिश्तेदार मंजीत को गिरफ्तार कर लिया। दोनों के पैर में गोली लगी है। पूछताछ में पता चला कि मनोज की प्रेमिका स्वाति ने अपने ही परिवार वालों को हत्या के केस में फंसाने के लिए यह साजिश रची थी। इस साजिश की भेंट बेगुनाह योगेश चढ़ गया। इंटर तक पढ़ी स्वाति ने क्राइम पेट्रोल सीरियल देखकर हत्या की यह पटकथा तैयार की थी लेकिन प्रेमी की गिरफ्तारी के बाद अपने बिछाए हुए जाल में खुद फंस गई। थाना इलाके के गुरेठा गांव निवासी पेंटर योगेश का शव 18 सितंबर की सुबह गांव से डेढ़ किलोमीटर दूर मौढ़ा तैय्या स्थित कब्रिस्तान के पास मिला था। योगेश के भाई उमेश ने गांव के ही शोभाराम और उसके बेटे गौरव व कपिल पर हत्या का आरोप लगाते हुए रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

संक्षिप्त समाचार

मुरादाबाद में हत्या: कुंदरकी में सैलून संचालक का गोली लगा शव मिला, शाम को गया था घूमने, पुलिस कर रही पूछताछ

कुंदरकी में सैलून चलाने वाले युवक की हत्या कर दी गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। आरोपियों की तलाश के लिए पुलिस की कई टीमें लगी हुई हैं।

कुंदरकी नगर के मोहल्ला कायथान से सटे बछुआ बाग में मंगलवार देर रात दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई। 22 वर्षीय सैलून संचालक मोहम्मद अजीम पुत्र मोहम्मद यासीन उर्फ लाला की गोली मारकर हत्या कर दी गई। उसका शव लहूलुहान हालत में बाग में पड़ा मिला। इसके पास ही एक तमंचा भी बरामद हुआ है। घटना स्थल पर भारी भीड़ जुट गई और इलाके में सनसनी फैल गई। अजीम मंगलवार शाम करीब सात बजे घर से टहलने के लिए निकला था। देर रात उसका शव मिला। अचानक हुई इस वारदात से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। उन्होंने हत्या की आशंका जताते हुए आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग की। सूचना पर सीओ मौके पर पहुंचे और परिजनों से जानकारी जुटाई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। सनसनीखेज हत्या से कस्बे में दहशत का माहौल है और लोग तरह-तरह की चर्चाएं कर रहे हैं।

सियासत से पहले सेहत की करें चिंता, नकवी ने सपा नेता आजम खां को दी सलाह

पूर्व केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने बिना नाम लिए सपा नेता आजम खां पर तंज कसा। कहा कि उन्हें सियासत से पहले सेहत की चिंता करनी चाहिए। आई लव यू मोहम्मद विवाद पर उन्होंने कहा कि विवाद आस्था पर नहीं बल्कि प्रदर्शन के पाखंड पर है।रामपुर पहुंचे पूर्व केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने बुधवार को बिना नाम लेकर सपा नेता आजम खां पर निशाना साधा। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि उन्हें सियासत से पहले अपनी सेहत की चिंता करनी चाहिए। नकवी ने कहा कि वैसे तो आजकल किसका सियासी सफर कब किधर का हो जाए, कुछ कहा नहीं जा सकता। जहां तक उनका सवाल है समाजवादी वसूल के साथ उनका सियासी वजूद जुड़ा है। यह उन पर निर्भर करता है कि वह कौन सा राजनीतिक फैसला करते हैं। इस पर मेरी कोई टिप्पणी नहीं है। आई लव यू मोहम्मद विवाद पर पूछे गए सवाल पर नकवी ने साफ कहा कि इस पर विवाद नहीं है। विवाद तो प्रदर्शन के पाखंड पर है।उन्होंने कहा कि मुल्क मेरी अस्मिता है और मुसलमान होने के नाते मोहम्मद साहब मेरी आस्था हैं। आई लव यू माय मुल्क, आई लव यू माय मोहम्मद। नकवी ने आगे कहा कि यह आस्था और अस्मिता का प्रश्न है। आस्था और अस्मिता की ताकत को अराजकता की आफत नहीं बनने देना चाहिए। इस तरह के प्रदर्शन के जरिए आस्था और अस्मिता को उद्दंडता और अराजकता का बंधक बनाने की कोशिश से बाज आना चाहिए। इससे पहले नकवी दोपहर बाद रामपुर पहुंचे,जहां कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष हरीश गंगवार, जिला पंचायत अध्यक्ष ख्यालीराम लोधी, राकेश मिश्रा, महासिंह राजपूत, टेकचंद गंगवार, पंकज लोधी आदि उपस्थित रहे।

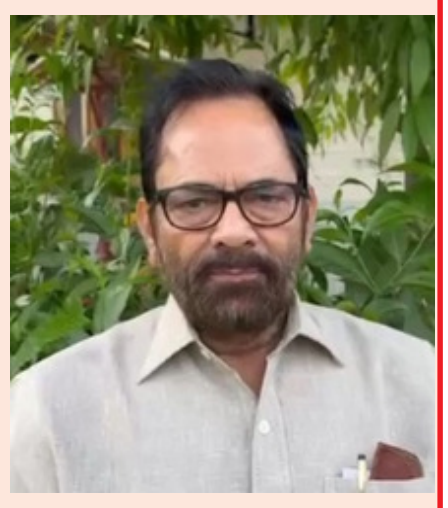

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

बरेली के हस्तशिल्पी और उद्यमी यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में दिखायेंगे अपने उत्पादों का हुनर

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यम शर्मा / बरेली,- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन के अनुरूप उत्तर प्रदेश की पहचान और हुनर को वैश्विक मंच देने के लिए यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो (PITS-2025) का तीसरा संस्करण 25 से 29 सितंबर तक ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो मार्ट में आयोजित हो रहा है। इस बार शो में हथकरघा और हस्तशिल्प से जुड़े लगभग 120 उद्यमी अपने-अपने उत्पाद पेश करेंगे। इनमें बरेली मंडल के 29 उद्यमी भी शामिल हैं। वह जरी-जरदोजी से लेकर फार्मा और ऑर्गेनिक प्रोडक्ट्स तक अपनी कला और क्रिएटिविटी का जलवा बिखेरेंगे। मंडलायुक्त बरेली भूपेंद्र एस चौधरी ने बताया कि बरेली, बदायूँ, पीलीभीत और शाहजहाँपुर-में से सबसे ज्यादा 20 उद्यमी बरेली से शामिल हो रहे हैं। इनमें 8 ओडीओपी इकाइयाँ, 5 महिला/एमएसएमई उद्यमी, 4 नए निर्यातक और 3 नियमित निर्यातक हैं। बदायूँ से 2, पीलीभीत से 6 और शाहजहाँपुर से 1 उद्यमी अंतरराष्ट्रीय मंच पर मंडल का प्रतिनिधित्व करेंगे। हुनर की पहचान के साथ जरी-जरदोजी को मिलेगी नई दिशा बरेली की पहचान काफी लंबे समय से जरी-जरदोजी रही है। इस कला को आगे बढ़ाते हुए वासिक (वनाकृति क्राफ्ट, केन एंड बैम्बू), नवाब (नवाब जरी आर्ट), रश्मि (रश्मि जरी आर्ट), शहनाम, शिखा, शालू सक्सेना (कमल ट्रेडर्स) , अमित कुमार (अमन एटायर) और आतिफ खान (एस.ए. इंटरनेशनल) अपनी कारीगरी को प्रस्तुत करेंगे। इसके अलावा, गौरव मित्तल (एरोमैटिक एंड एलाईड - ऑर्गेनिक प्रोडक्ट्स), मनीष जैन (कैल्विन नैचुरल - मिंट), अभिनव (हाइड एंड सूटोर एक्जिम - लेदर प्रोडक्ट्स), संदीप झावर (अंजनी नंदन पैकेजिंग) और हर्षित गोयल (एचएनवी फार्मा - मेडिकल गुड्स) जैसे निर्यातक अपने नए और आधुनिक प्रोडक्ट्स लेकर अंतरराष्ट्रीय बाजार में उतरेंगे। महिला उद्यमियों का शो में रहेगा खास योगदान शो में महिला उद्यमियों की भागीदारी भी मंडल का गौरव बढ़ाएगी। डॉ. सबीना खान (आयुर्वेदिक प्रोडक्ट्स), स्वाति यादव (सिल्क साड़ी), सुरभि सक्सेना (हैंडीक्राफ्ट), अंशी सक्सेना (रेडीमेड गारमेंट्स) और इशिका सक्सेना (आर्टिफिशियल ज्वैलरी, बदायूँ) अपनी इकाइयों के साथ शामिल हो रही हैं। वहीं, पीलीभीत से शईस्ता बी (वुड कार्विंग), दरख्शा बी (जरी वर्क), खुर्रम आफताब (वुड क्राफ्ट), मीना बेगम (जरी बीड वर्क) और शाहजहाँपुर से कुमकुम (जरी-जरदोजी) का हुनर मंच पर अपनी छाप छोड़ेगा। मंडलायुक्त बोले, उद्यमियों के लिए सुनहरा अवसर बरेली मंडलायुक्त भूपेंद्र एस. चौधरी ने कहा कि यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो स्थानीय उद्यमियों को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाने का बड़ा मंच है। उन्होंने कहा कि इससे न केवल कारोबार में वृद्धि होगी बल्कि नए निवेश और रोजगार के अवसर भी सामने आएंगे। उन्होंने उद्यमियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि यह अवसर उनकी कारीगरी और उत्पादों को विश्व बाजार में स्थापित करने में मील का पत्थर साबित होगा।

फैमिली आई.डी. का लक्ष्य समय से पूरा न होने के कारण अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद व नगर पंचायत का वेतन रोका

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यम शर्मा / बरेली, जिलाधिकारी अविनाश सिंह की अध्यक्षता में विगत दिनांक 18 सितम्बर 2025 को आयोजित फैमिली आई0डी0 की प्रगति समीक्षा बैठक में समस्त अधिशासी अधिकारी, नगर पालिका परिषद एवं नगर पंचायतों को माह सितम्बर 2025 के 28 तारीख तक प्रत्येक दशा में 1000 नये फैमिली आई0डी0 के आवेदन करवाने के साथ ही गूगल शीट बनवाकर प्रतिदिन की फैमिली आई0डी0 की प्रगति की मानीटरिंग करने के निर्देश दिये गये थे। फैमिली आई0डी0 के आवेदन हेतु प्रत्येक निकाय को 1000 का लक्ष्य दिया गया है जो निकायों द्वारा पूर्ण नहीं कराया जा रहा है। जिससे स्पष्ट है कि अधिशासी अधिकारी अपने दायित्वों के प्रति उदासीन एवं लापरवाह हैं। अत: फैमिली आई0डी0 का लक्ष्य समय से पूर्ण न किये जाने के कारण अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद ऑवला जितेन्द्र कुमार, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद फरीदपुर पुनीत कुमार, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद बहेड़ी शशि प्रभा चौधरी, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद नवाबगंज आर0आर0 अम्बेश, अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत ठिरिया निजावत खॉ सपना भारद्वाज, अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत सिरौली आर0एन0 तिवारी, अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत देवरनियां अंकित गंगवार, अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत फतेहगंज पश्चिमी पुष्पेन्द्र सिंह राठौर, अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत धौराटांडा संदीप चन्द्रा, अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत सेंथल त्रिभुवन नारायन मिश्रा, अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत मीरगंज प्रियंका तथा अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत शीशगढ़ दुर्गेश सिंह का वेतन अग्रिम आदेश तक रोक दिया गया है ।

चपरासी ने किया छात्रा के साथ दुष्कर्म का प्रयास, परिजनों की शिकायत पर मामला दर्ज

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यम शर्मा / बरेली। आंवला क्षेत्र में एक छात्रा के साथ अश्लील हरकतें करने का मामला सामने आया है जहां कक्षा सात की छात्रा के साथ स्कूल के चपरासी पर छात्रा के परिजनों ने गंभीर आरोप लगाए हैं। परिजनों ने मामले की शिकायत पुलिस से की है शिकायत के आधार पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको पकड़ने के लिए कई टीमें लगा दी है। मिली जानकारी के मुताबिक थाना आंवला क्षेत्र के एक स्कूल की कक्षा सात की छात्रा के साथ चपरासी ने दुष्कर्म का प्रयास किया। आरोप है कि स्कूल न जाने पर चपरासी ने एक अन्य छात्रा के माध्यम से पीड़िता को स्कूल बुलवाया स्कूल पहुंचने पर चपरासी छात्रा को परिसर में बने एक कमरे एक कमरे में ले गया और उसके साथ अश्लील हरकतें करने लगा।किसी तरफ छात्रा ने वहा से भागकर प्रिंसिपल के रूम में पहुंची यही नही स्कूल के प्रिंसिपल पर भी मामले का दबाने का आरोप लगा जिसके बाद छात्रा ने घर पर पहुंचकर अपने परिजनों को पूरी घटना बताई ,परिजन स्कूल पहुंचे तो आरोपी चपरासी मौके से फरार हो गया। जिसके बाद छात्रा के परिजनों ने थाने में आरोपी चपरासी की शिकायत कर उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। आंवला प्रभारी निरीक्षक कुंवर बहादुर सिंह ने आंवला प्रभारी निरीक्षक कुंवर बहादुर सिंह ने बताया कि एक छात्रा के परिजनों ने स्कूल के चपरासी पर गंभीर आरोप लगाए है जिनकी शिकायत कर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आरोपी की गिरफ्तारी के लिए टीम गठित कर दी है बहुत जल्द आरोपी को पकड़कर जेल भेजा जाएगा।

झील में डूबा किशोर, 15 घंटे बाद बरामद हुआ शव

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यम शर्मा / बरेली। आंवला के रामनगर स्थित महाभारतकालीन लीलौर झील में नहाने गया किशोर गहरे पानी में डूब गया। उसके साथ नहा रहे लड़के भाग निकले। घरवालों को सूचना मिली तो झील में खोजबीन शुरू हुई। करीब 15 घंटे बाद किशोर का शव बरामद हुआ। शव मिलते ही घर में कोहराम मच गया। परिजन बिलखते हुए मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पंचायतनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घर वालों का आरोप है कि झील में सुरक्षा के कोई इंतजाम नहीं थे। लीलौर बुजुर्ग के रहने वाले नरेश का 12 साल का बेटा भोला मंगलवार को झील में नहाने गया था। उसके साथ गांव के कई और लड़के भी थे। नहाने के दौरान वह झील के गहरे पानी में डूब गया। साथी बच्चे भाग आए। घरवालों ने देर रात तक खोज की लेकिन कोई सुराग नहीं लगा। बुधवार सुबह नाव के माध्यम से झील में तलाश किया तो उसका शव उतराया मिला। इस झील का उद्घाटन इसी वर्ष 15 अगस्त को हुआ था। परिजनों का कहना है कि झील में सुरक्षा की दृष्टि से कोई व्यवस्था नहीं है। अगर सुरक्षा के इंतजाम होते तो उनके बेटे को बचाया जा सकता था।

भाई-भतीजे ने जमीन व कारोबार पर किया कब्जा, रिपोर्ट

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यम शर्मा / बरेली। कारोबार के लिए संयुक्त रूप से खरीदी जमीन पर भाई और भतीजे ने कब्जा कर लिया। छोटे भाई ने अपना हिस्सा मांगा तो मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी गई। इस मामले में थाना बारादरी में दोनों आरोपियों पर रिपोर्ट दर्ज की गई है। कांकर टोला निवासी निसार अहमद ने पुलिस को बताया कि उन्होंने अपने भाई नियाज अहमद के साथ 15 जून को मिघाई टोला में 211 वर्ग गज जमीन खरीदी थी। दोनों भाइयों ने वहां गोदाम का निर्माण कराया और कबाड़ का काम शुरू कर दिया। कुछ दिन से नियाज अहमद और उसका बेटा करीम जमीन व कारोबार को अपना बताने लगे। आरोपियों ने गोदाम में उनके आने-जाने पर भी रोक लगा दी। 18 सितंबर को वह अपने रिश्तेदारों के साथ नियाज अहमद को समझाने गए तो वह और उसका बेटा करीम आक्रोशित हो गए। दोनों ने गालीगलौज कर उनसे मारपीट की और दोबारा वहां आने पर जान से मारने की धमकी दी। निसार का आरोप है कि भाई और भतीजा उनका हिस्सा हड़पना चाहते हैं। उन्होंने दोनों के खिलाफ थाना बारादरी में रिपोर्ट दर्ज कराकर सुरक्षा देने की मांग की है।

वित्तीय संकट से हांफ रही विकास की गाड़ी, न तो निर्माण सामग्री का भुगतान हो रहा न राजगीरों का

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यम शर्मा / बरेली। मनरेगा मजदूरों का भले ही 40 करोड़ का बकाया भुगतान भेजा चुका है, लेकिन जिले में मनरेगा की हालत ठीक नहीं है। वित्तीय संकट के कारण गांवों में विकास की सामग्री के साथ ही हुआ है, वहीं कर्मचारी परेशान हैं। वित्तीय वर्ष सामग्री का 34 करोड़ था, इस साल 10 बकाया फिर हो चुका नहीं मिलने से जिले होती जा रही है। पैसा ने माल देने से हाथ खड़े कर दिए हैं। वहीं, इससे कई ग्राम पंचायतों में काम भी लंबे समय से ठप पड़ा है। यही नहीं, ग्राम प्रधान से लेकर सचिव और रोजगार सेवक भी परेशान हैं। उनको चिंता इस बात की है कि ऐसे में गांवों में विकास कार्य कैसे शुरू होंगे। इसको लेकर अफसर भी असमंजस में हैं। डीसी मनरेगा मो. हसीब अंसारी का कहना है कि मनरेगा में बजट की मांग लगातार की जा रही है। दो दिन पहले मजूदरों के लिए 40 करोड़ का बजट मिला है। जिसे मनरेगा मजदूरों के खाते में भेजा जा रहा है। अन्य मद में जैसे ही बजट मिलेगा, ग्राम पंचायतों को भुगतान कर दिया जाएगा। नवाबगंज में सबसे ज्यादा, फरीदपुर का सबसे कम भुगतान बाकी भुगतान में सबसे खराब स्थिति नवाबगंज ब्लॉक की है। यहां सबसे ज्यादा 158.68 लाख रुपये का भुगतान लटका हुआ है। सबसे कम भुगतान फरीदपुर ब्लॉक में 4.07 लाख रुपये बाकी है। आलमपुर जाफराबाद में 38.24 लाख, बहेड़ी में 30.52 लाख, भदपुरा में 30.3 लाख, भोजीपुरा में 31.6 लाख, भुता में 26.12 लाख, बिथरी चैनपुर में 16.37 लाख, दमखोदा में 55.49 लाख, फरीदपुर में 4.07 लाख, फतेहगंज पश्चिमी में 39.67 लाख, क्यारा में 16.7 लाख, मझगवां में 90.28 लाख, मीरगंज में 96.97 लाख, रामनगर में 158.68 लाख, शेरगढ़ में 20.65 लाख और शेरगढ़ में 101.44 लाख रुपये बकाया हैं।

न्यूरिया थाने में मिशन शक्ति-5 के अंतर्गत बेसहारा वृद्ध महिलाओं की मदद

क्यूँ न लिखूँ सच / न्यूरिया। मिशन शक्ति-5 के तहत न्यूरिया थाने में गरीब व बेसहारा वृद्ध महिलाओं की मदद की गई। थाना प्रभारी ने बताया कि थाना क्षेत्र की वे महिलाएँ, जिनका देखभाल करने वाला कोई नहीं है, उनकी खोज कर सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। इसी क्रम में बुधवार को तीन वृद्ध महिलाओं की मदद की गई, जिनमें से एक महिला कस्बे के मोहल्ला खेड़ा से तथा दो महिलाएँ ग्रामीण क्षेत्र से आईं थीं। उन्हें खाने , पीने का सामान व वस्त्र दिए गए। साथ ही उनकी चिकित्सा व्यवस्था भी कराई जाएगी। सीओ गायत्री यादव ने कहा कि ऐसी महिलाएँ किसी भी समय थाने आकर अपनी समस्याएँ बता सकती हैं, उनकी हर संभव मदद की जाएगी। थाना प्रभारी ने यह भी आश्वासन दिया कि वे स्वयं अपने खर्च से दवाओं की व्यवस्था करेंगी। इस सेवा कार्य में एसएसआई सुभाष मावी भी शामिल रहे। उन्होंने बताया कि आज जो वृद्ध महिला कस्बे से आई थीं, उनके इलाज की संपूर्ण जिम्मेदारी उन्होंने उठाई है। उन्होंने कहा कि बेसहारा की मदद करना वास्तव में मन को सुकून देने वाला कार्य है। थाना प्रशासन का कहना है कि आगे भी ऐसी सभी जरूरतमंद वृद्ध महिलाओं की सेवा और मदद

♦ न्यूरिया थाने मे मिशन शक्ति 5 के अंतर्गत गरीब बेसहारा वृद्ध महिला की की सहायता करती थाना प्रभारी

सूबे के मुखिया योगी आदित्यनाथ को राजस्व प्रशासन भिनगा दे रहा चुनौती..

क्यूँ न लिखूँ सच / श्रावस्ती विकासखंड हरिहरपुर रानी ग्राम सभा भंगही के मौजूदा प्रधान लक्ष्मी शरण पुत्र इंद्र बहादुर ने गाटा संख्या 544 पर अवैध तरीके से पक्के मकान का निर्माण करा कर अपनी दुकान कर रहा है जिस पर पूर्व लेखपाल गंगाराम थापा के द्वारा न्यायालय पर चल रहे धारा 67 के तहत वाद में स्पष्ट कर दिया गया की इंद्र बहादुर का मकान चकमार्ग पर बना हुआ है और न्यायालय श्रीमान न्यायिक तहसीलदार भिनगा की कोर्ट पर उसी वाद में बेदखली की कार्रवाई की गई लेकिन राजस्व प्रशासन अभी तक जमीनी स्तर पर ना तो उस मकान को बेदखल करवा पाया है सीधी चुनौती सूबे के मुखिया योगी आदित्यनाथ को दी जा रही है और मौजूदा जिला अधिकारी अजय कुमार द्विवेदी को किस कारण से राजस्व प्रशासन ग्रामीण ग्राम सभा भंगही में न्यायालय श्रीमान न्यायिक तहसीलदार के आदेशों का अनुपालन करने में असमर्थ है और सक्षम अधिकारियों को चुनौती दे रहा है जबकि भंगही के ग्रामीणों द्वारा कई प्रार्थना पत्र दिए गया हैं रास्ता खाली करने के लिए और भी गाटो पर इसी दबंग के पिता के द्वारा बंद किया गया है जो कि राजस्व अभिलेख में दर्ज है

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

राकेश टिकैत बरेली में बोले मौजूदा हालात ऐसे ही रहे तो सरकार बदल देंगे

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यम शर्मा / बरेली। नेहरू युवा केंद्र पर को आयोजित किसानों की महापंचायत में भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत पहुंचे। इस दौरान हजारों किसानों का जमावड़ा लगा और सभा स्थल नारों से गूंज उठा। किसानों ने सरकार पर वादाखिलाफी का आरोप लगाते हुए कहा कि आज भी उनकी फसल न्यूनतम समर्थन मूल्य (रूक्क) पर नहीं बिक रही है। धान को जबरन ?1600 प्रति क्विंटल में खरीदा जा रहा है, जबकि लागत मूल्य कहीं अधिक है। महापंचायत में किसानों ने आरोप लगाया कि बरेली विकास प्राधिकरण ने उनकी जमीन अधिग्रहित कर ली लेकिन अब तक मुआवज़ा नहीं दिया गया। किसानों का कहना था कि सरकार ने अब तक एक भी वादा पूरा नहीं किया और मौजूदा हालात नेपाल जैसे हो चुके हैं। सभा में मंच से किसानों ने चेतावनी दी कि अगर हालात ऐसे ही रहे तो 2027 में सरकार को बदल देंगे। महापंचायत के दौरान सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रही और मौके पर भारी संख्या में पीएसी बल तैनात किया गया।

अभी नहीं डरने की बात, मिशन शक्ति अभियान है आपके साथ

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यम शर्मा / बरेली। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही सबसे महत्वपूर्ण मिशन शक्ति पेज पांच के अंतर्गत बुधवार को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक निर्देशन में सेन्ट फ्लोरेंस स्कूल में छात्र एवं छात्राओं को जागरूक किया । जिसमें सरकार द्वारा चलाई जा रहीं विभिन्न लाभकारी एवं आवश्यक सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। पुलिस सहायता के लिए टोल फ्री हेल्पलाइन नम्बरों की जानकारी दी । सभी छात्र -छात्राओं से उनकी समस्या पूंछी गईं। पुलिस छात्रों के मध्य मैत्रीपूर्ण संबंध बनाने के लिए अपने वाटशाएप नम्बर से छात्र -छात्राओं को जोड़ा गया,इस मौके पर महिला सुरक्षा अभियान में वरिष्ठ कान्स्टेबल रूपदेई कान्स्टेबल प्रेम सिंह,हाजी राहत अली सहित तमाम स्टाफ मौजूद रहा

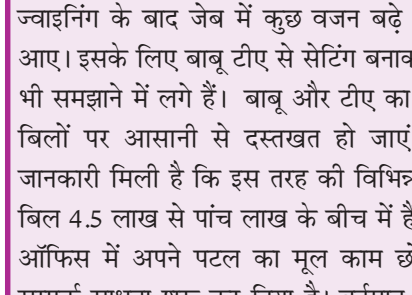

नए डीडी से पौने पांच लाख के रिजेक्टेड बिल पास कराने में जुटे बाबू और टीए

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यम शर्मा / बरेली। घोटालेबाजों को बचाने के चलते डिप्टी डायरेक्टर अभिनंदन सिंह को शासन ने निलंबित कर दिया था। उनके रिजेक्टेड पौने पांच लाख के बिल बहेड़ी से आए बाबू और टीए पास कराने में लगे हैं।कृ षि विभाग में भी चर्चाओं का बाजार गर्म है और कहा जा रहा है कि यह वही पुराने बिल हैं, जिनको तत्कालीन डिप्टी डायरेक्टर अभिनंदन सिंह ने घपला होने की वजह से रिजेक्ट कर दिया था। तबसे यह बिल पेंडिंग में पड़े थे। आरोप है कि डीडी कार्यालय के नए बाबू और टीए उन दुकानदारों से संपर्क करके पुराने बिल काटकर ऊपरी कमाई करने के चक्कर में हैं, ताकि ज्वाइनिंग के बाद जेब में कुछ वजन बढ़े और माहौल में गर्मी आए। इसके लिए बाबू टीए से सेटिंग बनाकर अपने अफसर को भी समझाने में लगे हैं। बाबू और टीए का मकसद है कि पुराने बिलों पर आसानी से दस्तखत हो जाएं। चर्चाओं के बीच जानकारी मिली है कि इस तरह की विभिन्न योजनाओं के पुराने बिल 4.5 लाख से पांच लाख के बीच में हैं। इसके लिए टीए ने ऑफिस में अपने पटल का मूल काम छोड़कर दुकानदारों से सम्पर्क साधना शुरू कर दिया है। वर्तमान डीडी का कहना कि मेरे पास कोई भी बिल स्वीकृति के लिए लाया जाता है तो मैं पहले उसका सत्यापन कराउंगा। उसके बाद ही बिल पास होगा। कोई बाबू फर्जी बिल पास नहीं करा पाएगा। मुझे किसानों के हित में काम करना है। यही सरकार की मंशा है। -अमरपाल, डिप्टी डायरेक्टर कृषि, बरेली

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

70 साल पुराना मुख्य मार्ग ध्वस्त – जुड़वनीया सहित दर्जनभर गांवों का संपर्क टूटा

क्यूँ न लिखूँ सच / ग्राम पंचायत उमझर के आश्रित ग्राम जुड़वनीया में कन्धाधोआ नदी पुल किनारे मिट्टी बहने से ठप हुआ आवागमन सूरजपुर/ओडगी विकासखण्ड/चांदनी बिहारपुर क्षेत्र। ग्राम पंचायत उमझर के आश्रित ग्राम जुड़वनीया का 70 साल पुराना मुख्य मार्ग अब खंडहर में बदल चुका है। महुली से मोहरसोप को जोड़ने वाली यह सड़क ग्रामीणों की जीवनरेखा थी। हाल की बारिश के चलते कन्धाधोआ नदी पुल के पास की मिट्टी बह गई, जिससे सड़क पर बड़ी खाई बन गई और रास्ता पूरी तरह बंद हो गया। इस सड़क के टूटने से जुड़वनीया के साथ-साथ आसपास के करीब एक दर्जन गांवों का जिला मुख्यालय और जनपद पंचायत से संपर्क टूट गया है। ग्रामीणों की बड़ी समस्या बच्चों का स्कूल आना-जाना प्रभावित। बीमार मरीजों को अस्पताल ले जाना मुश्किल। ग्रामीणों को लंबा चक्कर लगाना पड़ रहा। खेत-खलिहान और बाजार तक पहुंचना दुरूह। ग्रामीणों की गुहार ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि तुरंत सड़क और पुल की मरम्मत कराई जाए, क्योंकि यही मार्ग उनकी जीवनरेखा है। उनका कहना है कि 70 साल पुरानी यह सड़क अब जर्जर हालत में पहुंच चुकी है और इस पर तुरंत ध्यान देना जरूरी है। जुड़वनीया और आसपास के गांवों की जीवनरेखा मानी जाने वाली यह सड़क अब ध्वस्त होकर ग्रामीणों की मुश्किलें बढ़ा रही है।

जिला प्रोबीजन अधिकारी के आदेशानुसार जनजागरुकता कार्यक्रम का किया आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार / पीलीभीत जनपद पीलीभीत आज दिनांक 24 सितंबर 2025 को मिशन शक्ति 5.0 के अंतर्गत सार्वजनिक स्थानों पर जन जागरूकता की थीम पर महिला कल्याण विभाग से हब तथा वन स्टॉप सेंटर की टीम द्वारा जिला प्रोबेशन अधिकारी महोदय के निर्देशानुसार जन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन ग्राम औरैया ब्लॉक मरौरी में किया गया। जिला मिशन कोऑर्डिनेटर सुवर्णा पांडे द्वारा बालिकाओं व महिलाओं के लिए चल रही योजनाओं जैसे मातृत्व वंदना योजना, बाल सेवा योजना, कन्या सुमंगला योजना, सखी वन स्टॉप सेंटर , जननी सुरक्षा योजना आदि के बारे में आम जनमानस को विस्तार पूर्वक बताया गया। बाल विकास विभाग से बाल विकास परियोजना अधिकारी अनीता चैधरी द्वारा गर्भवती महिलाओं को पोषण संबंधी जानकारी दी गई व एनीमिया रोग से बचने के उपाय बताए गए इसी क्रम में पुलिस विभाग से उप निरीक्षक हरवीर सिंह जी द्वारा बच्चों व महिलाओं को सरकार द्वारा चलाए जा रहे हेल्पलाइन नंबर जैसे चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 महिला हेल्पलाइन 181 पुलिस हेल्पलाइन 112 वूमेन पावर लाइन 1090 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 आदि नंबरों की विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई। कार्यक्रम में पुलिस विभाग की टीम जेंडर स्पेशलिस्ट जयश्री सिंह मनो सामाजिक परामर्शदाता मृदुला शर्मा आंगनवाड़ी आदि उपस्थित रहे।

सीएम योगी ने दुकान-दुकान घूमकर समझा जीएसटी का बदलाव, बांटे पर्चे; चिकनकारी में आजमाया हाथ

इस मौके पर सीएम ने कहा कि चिकनकारी लखनऊ की शान है। ओडीओपी उत्पाद चिकनकारी देश-विदेश में लखनऊ की विशेष पहचान है।जीएसटी की नई दरें लागू होने के बाद बुधवार को सीएम योगी ने लखनऊ के जीरो लैंडमार्क हजरतगंज चौराहे पर प्रेस कॉन्फ्रेंस की। नेक्स्ट जेन जीएसटी रिफॉर्म पर पत्रकारों को जानकारी देने के बाद सीएम हजरतगंज की दुकानों पर भी घूमें। सभी दुकानदारों से ग्राहकों को जीएसटी का लाभ देने की अपील की और घटी दरों के पर्चे भी बांटे। इस दौरान सीएम ने चिकनकारी के काम में भी हाथ आजमाया। हजरतगंज ट्रेडर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष विनोद पंजाबी के नेतृत्व में सीएम योगी खादी भंडार, बुक शॉप, रेस्टोरेंट, सूखे मेवे, कपड़ों के शोरूम पर पहुंचे और व्यापारियों से खुले दिल से संवाद करते हुए जीएसटी के नए सुधारों पर प्रतिक्रिया जानी। विभिन्न शोरूम पर व्यापारियों से बातचीत के बाद सीएम योगी विनोद पंजाबी के चिकनकारी के कपड़ों के शोरूम पर भी पहुंचे। इस दौरान सीएम ने चिकनकारी की कढ़ाई कर रही महिलाओं से कारीगरी की बारीकी समझी और अपने हाथ से एक कपड़े पर छपाई भी की। इसके बाद उस कपड़े पर अपने दस्तखत भी किए। सीएम ने कहा कि चिकनकारी लखनऊ की शान है। ओडीओपी उत्पाद चिकनकारी देश-विदेश में लखनऊ की विशेष पहचान है। व्यापारी नेता विनोद पंजाबी ने बताया कि सीएम ने हजरतगंत चौराहों की दुकानों का निरीक्षण किया। सभी व्यापारी जीएसटी का लाभ दे रहे हैं, इस बात को भी देखा। बेटी वर्तिका समेत पूरे स्टाफ से मिले। लखनऊ चिकनकारी हैंडीक्राफ्ट एसोएशन के अध्यक्ष संजीव अग्रवाल, महामंत्री शैलेश टंडन, कोषाध्यक्ष जितेंद्र रस्तोगी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष दिलीप खैराजानी, लखनऊ व्यापार मंडल के अध्यक्ष अमरनाथ मिश्रा, चेयरमैन राजेंद्र अग्रवाल आदि मौजूद रहे।सीएम योगी ने गंज चौराहे से अपनी यात्रा की शुरुआत की। यहीं से ही सीएम योगी ने मशहूर बुक डिपो के बाहर पत्रकारों से बातचीत की। सीएम ने बुक शॉप पर पहुंचने पर स्टेशनरी पर दी जा रही छूट का जायजा लिया। बुक शॉप के मालिक गौरव प्रकाश ने बताया कि किताबों पर पहले भी जीएसटी नहीं थी। पेंसिल, रबर व कॉपी से जीएसटी हटाई है। सीएम योगी हमारी शॉप पर आए यह हमारे लिए बड़े गौरव की बात है। बताया कि सीएम का मकसद बस यही देखना था कि जीएसटी का लाभ दिया जा रहा है कि नहीं। बताया गंज चौराहा लखनऊ का जीरो लैंडमार्क है। यहीं से ही लखनऊ शुरू होता है। शॉप के बाहर ही लखनऊ जीरो किमी का पत्थर लगा हुआ था जो रेनोवेशन के दौरान तीन साल पहले हट गया। सांकेतिक रूप से सीएम ने पूरे लखनऊ को मेसेज देने के लिए यह जगह चुनी।

चांदनी बिहरपुर क्षेत्र में 20 साल का रिकॉर्ड तोड़ बारिश – तबाही का मंजर, सैकड़ों कच्चे मकान गिरे, हजारों किसानों की फसल चौपट

क्यूँ न लिखूँ सच / सूरजपुर/ जिले के चांदनी बिहरपुर क्षेत्र में मंगलवार देर रात और बुधवार सुबह हुई भीषण बारिश ने 20 साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया। महज एक घंटे की मूसलाधार बारिश ने पूरे इलाके में हाहाकार मचा दिया। गांव महुली, कोल्हूआ, करौटी, चोगा, अन्तिकापुर, खोहीर, कछवारी, रामगढ़, जूडवनीया, बसनरा, रसोकी, नवडीहा और मोहरसोप सहित आसपास के दर्जनों गांवों में सैकड़ों मिट्टी के कच्चे मकान गिर गए। कई घरों में पानी घुस गया और लोग सुरक्षित स्थानों पर जाने को मजबूर हुए। किसानों पर डबल मार तेज पानी के बहाव से खेतों की ऊपरी उपजाऊ मिट्टी बह गई। धान और अन्य फसलें पूरी तरह चौपट हो गईं। ग्रामीणों का कहना है कि हजारों किसानों का सालभर की मेहनत पर पानी फिर गया है। खेतों में खड़ी फसलें बह जाने से अब आने वाले दिनों में खाद्यान्न संकट गहराने की आशंका है। नवगई निवासी रामलल्लू साकेत का मकान बारिश में पूरी तरह गिर गया। गनीमत रही कि परिवार समय रहते बाहर निकल आया और बड़ा हादसा टल गया। नदी-नाले उफान पर, गांवों का संपर्क टूटा लगातार बारिश से इलाके की नदियां-नाले उफान पर हैं। कई गांवों का संपर्क मुख्य मार्ग से कट गया है। ग्रामीणों का कहना है कि उन्होंने इतने वर्षों में इतनी भीषण बारिश कभी नहीं देखी। अब प्रभावित लोग प्रशासन से तत्काल राहत सामग्री, मुआवजा और किसानों को फसल हानि का मुआवजा देने की मांग कर रहे हैं।

पैरामेडिकल विद्यार्थियों की कक्षाएँ मेडिकल कॉलेज में प्रारम्भ

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार / जनपद पीलीभीत स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय एवं संबद्ध चिकित्सालय, पीलीभीत में पैरामेडिकल पाठ्यक्रमों की कक्षाएँ प्रारम्भ हो चुकी हैं। चिकित्सालय में विभिन्न विभागों की फैकल्टी के वरिष्ठ संकाय सदस्यों को इन पाठ्यक्रमों हेतु नोडल एवं सह-नोडल अधिकारी नामित किया गया है, ताकि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण व मार्गदर्शन प्राप्त हो सके। इन कक्षाओं के माध्यम से विद्यार्थी एनेस्थीसिया एवं क्रिटिकल केयर तकनीशियन, ऑडियो एवं स्पीच थेरैपी, ब्लड ट्रांसफ्यूजन, सी.टी. स्कैन, एक्स-रे, डायलिसिस, इमरजेंसी एवं ट्रॉमा केयर, ओ.टी. तकनीशियन, लैब तकनीशियन, ऑप्टोमेट्री, ऑर्थोपेडिक एवं प्लास्टर तकनीशियन तथा फिजियोथेरैपी जैसे विविध डिप्लोमा कोर्स की पढ़ाई करेंगे। प्राचार्या डॉ. संगीता अनेजा ने कहा कि पैरामेडिकल विद्यार्थी स्वास्थ्य सेवाओं की रीढ़ होते हैं। हमारी कोशिश है कि छात्रों को आधुनिक तकनीक और प्रायोगिक प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाए, ताकि वे भविष्य में समाज को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएँ दे सकें। इस पहल से न केवल विद्यार्थियों का कैरियर सुरक्षित होगा बल्कि जिले में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता भी बढ़ेगी। इन प्रशिक्षणों से जिले के युवाओं को रोजगार के नए अवसर प्राप्त होंगे और स्वास्थ्य सेवाओं में प्रशिक्षित तकनीकी कर्मियों की उपलब्धता से रोगियों को भी बेहतर चिकित्सा सुविधा मिल सकेगी। नोडल अधिकारी डॉ. विभूति गोयल ने कहा कि विद्यार्थियों को प्रैक्टिकल नॉलेज पर विशेष बल दिया जाएगा, जिससे वे वास्तविक परिस्थितियों में तुरंत और प्रभावी ढंग से कार्य कर सकें।

शरद पवार बोले- कश्मीर भारत का अभिन्न हिस्सा, वहां के लोगों ने कभी नहीं दिया पड़ोसी देशों का साथ

एनसीपी (एसपी) प्रमुख शरद पवार ने कहा कि कश्मीरी मुसलमानों ने कभी भी पड़ोसी देश की साजिशों का समर्थन नहीं किया। पुणे में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने पहलगाम आतंकी हमले का जिक्र करते हुए कहा कि कश्मीरी लोग भारत के साथ मजबूती से खड़े रहे हैं।नेशनल कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) (एसपी) के प्रमुख शरद पवार ने कश्मीर के लोगों के बारे में बातचीत की। बुधवार को उन्होंने कहा कि कश्मीरी मुसलमान कभी भी किसी पड़ोसी देश की साजिशों का समर्थन नहीं करते हैं। इस दौरान उन्होंने बीते 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले का भी जिक्र किया।शरद पवार ने ये बात पुणे में सरहद इंस्टिट्यूट द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में कही। यह संस्था उन बच्चों को पढ़ाई देती है जो संघर्ष प्रभावित क्षेत्रों से आते हैं। पहलगाम आतंकी हमले का किया जिक्र पवार ने आगे कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले का जिक्र करते हुए कहा कि इसमें 26 आम लोग मारे गए थे। उन्होंने बताया कि कश्मीर भारत का हिस्सा है और कश्मीरी लोगों ने देश को बहुत कुछ दिया है। पहलगाम हमले के बाद डर फैल गया था, लेकिन पड़ोसी देश ने जो उग्रता फैलाने की कोशिश की, कश्मीरी लोगों ने उसे कभी समर्थन नहीं दिया। इस दौरान ये भी कहा कि पहलगाम हमले के बाद मुख्यमंत्री ओमर अब्दुल्ला ने बैठक बुलाई और कहा कि हम भारत के साथ हैं और कश्मीर की रक्षा के लिए हर संभव कदम उठाएंगे।कश्मीरी मुसलमानों के प्रति सकारात्मक नजरिया रखना चाहिए% इस दौरान पवार ने कहा कि पड़ोसी देश जो भी कोशिश करे, कश्मीरी लोग उनके साथ नहीं जाएंगे। इसलिए हमें कश्मीरी मुसलमानों के प्रति हमेशा सकारात्मक नजरिया रखना चाहिए। उन्होंने यह भी बताया कि कश्मीर में कानून-व्यवस्था की स्थिति ऐसी है कि बच्चों को स्कूल भेजना मुश्किल होता है, लेकिन सरहद संस्था के संजय नाहर और अन्य लोगों ने पुणे में कश्मीर के बच्चों की पढ़ाई का इंतजाम किया है। इससे साबित होता है कि पूरे भारत का कश्मीर के साथ एकता मजबूत है। शरद पवार ने अंत में कहा कि कश्मीर भारत का अभिन्न हिस्सा है और देश में उसका योगदान बहुत बड़ा है।

संक्षिप्त समाचार

ग्राम पंचायत रामगढ़ में नवरात्र की धूम – मां दुर्गा की प्रतिमा स्थापना, भक्तों का उमड़ा सैलाब

क्यूँ न लिखूँ सच / सूरजपुर/चांदनी बिहरपुर। ग्राम पंचायत रामगढ़ में इस वर्ष नवरात्र पर्व का आयोजन धूमधाम और आस्था के साथ किया जा रहा है। गांव के मुख्य पंडाल में मां दुर्गा की भव्य प्रतिमा की स्थापना की गई, जिसके दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है। पूरे क्षेत्र में भक्तिमय वातावरण बना हुआ है और माता रानी के जयकारों से गलियां गूंज उठी हैं। नवरात्र महोत्सव के अवसर पर ग्रामीणों ने मिलकर भजन-कीर्तन, अखंड ज्योति प्रज्वलन और विशेष पूजा-अर्चना का आयोजन शुरू किया है। दशहरा तक प्रतिदिन सुबह-शाम आरती और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का सिलसिला जारी रहेगा। श्रद्धालु महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग बड़ी आस्था से मां दुर्गा की आराधना कर रहे हैं। स्थानीय युवाओं और समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि इस बार का आयोजन गांव की एकता और भाईचारे का प्रतीक है। ग्रामीणों ने क्षेत्र में सुख-शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना करते हुए सभी भक्तों से मां दुर्गा के दरबार में दर्शन करने की अपील की है।

पुलिस अधीक्षक के निर्देशन द्वारा मिशन शक्ति अभियान

क्यूँ न लिखूँ सच / पुलिस अधीक्षक पीलीभीत के निर्देशन में जनपद पीलीभीत के समस्त थानों की एंटी रोमियो टीम/ थाना पुलिस द्वारा मिशन शक्ति अभियान - 5.0 के अंतर्गत महिलाओं व बालिकाओं को सुरक्षा, सम्मान व स्वावलंबन हेतु जागरूक किया गया साथ ही सरकार द्वारा चलाई जा रहे विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों जैसे- महिला हेल्पलाइन नंबर-1090, 181, पुलिस आपातकालीन सेवा -112 स्वास्थ्य सेवा-102,108, चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 व साइबर क्राइम हेल्पलाइन नंबर 1930 आदि के बारे में जानकारी दी गई।

कलेक्ट्रेट में तैनात बाबू की खुली रंगदारी, डीएम दफ्तर बना वसूली का अड्डा

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार / पीलीभीत जिले के सबसे संवेदनशील दफ्तर - कलेक्ट्रेट में तैनात वरिष्ठ लिपिक वीरेंद्र सिंह पर गंभीर आरोपों ने प्रशासन की जड़ें हिला दी हैं। मुख्यमंत्री शिकायत में तक पहुंची गया है कि दावा किया बाबू बने वीरेंद्र चपरासी से चैंबर के बगल ने डीएम और में ही भ्रष्टाचार ब्लैकमेलिंग का अड्डा बना रखा है। मुख्यमंत्री कार्यालय ने जिलाधिकारी से पूरे मामले की जांच कर कर कार्रवाई करने को कहा है। डीएम ने जांच एडीएम (एफआर) को दे दी लेकिन अब तक कोई कार्रवाई होना तो दूर बल्कि जांच एक कदम भी आगे नहीं बढ़ी यानि शिकायत ठंडे बस्ते में है।

शिकायतकर्ता के मुताबिक कलेक्ट्रेट में तैनात वरिष्ठ लिपिक वीरेंद्र सिंह हैसियत और चरित्र प्रमाणपत्र पर 2ल कमीशन,खाद्य टीम से छापे डलवाकर व्यापारियों से मोटी रकम वसूली,पटल पर किसी और कर्मचारी को टिकने नहीं देते और अगर कोई अन्य बाबू नियुक्त किया जाता है तो उसकी फर्जी शिकायत कर हटवा दिया जाता।

वहीं निजी सहयोगी ब्रह्मप्रकाश के जरिए रिश्वत का लेन-देन का कार्य करता है। इन आरोपों ने न केवल वीरेंद्र सिंह की कार्यशैली पर सवाल उठाए हैं बल्कि जिलाधिकारी की कार्यप्रणाली और ईमानदारी की छवि पर भी गहरा धब्बा लगा दिया है। शिकायतकर्ता ने मुख्यमंत्री से मांग की है कि किसी मजिस्ट्रेट से वीरेंद्र सिंह की पत्रावली और प्रमोशन की गहन जांच कराई जाए। और तत्काल प्रभाव से उन्हें महत्वपूर्ण पटल से हटाकर निलंबित किया जाए। वीरेंद्र सिंह ने सफाई देते हुए कहा कि वह शिकायतकर्ता को पहचानते तक नहीं हैं। उन्होंने दावा किया कि सभी आरोप पूरी तरह बेबुनियाद हैं। लंबे समय से तबादले की मांग कर रहा हूँ, लेकिन इस तरह की झूठी शिकायतें केवल मेरी छवि धूमिल करने के लिए की जा रही हैं।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव का जोरदार स्वागत किया

क्यूँ न लिखूँ सच /पवन कुमार / कोंच(जालौन) आज मंगलवार को कोंच तहसील के ग्राम हरदुआ में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव और प्रदेश के पूर्व मंत्री शिवपाल सिंह यादव का आगमन

हुआ वाई कार द्वारा आये पूर्व मंत्री का जिला बार संघ के पूर्व अध्यक्ष और समाजवादी पार्टी के नेता सूरज सिंह यादव एडवोकेट हरदुआ और ई सौरभ यादव ने उनका बड़ी माला पहना कर जोरदार स्वागत सम्मान किया एक निजी कार्यक्रम में झांसी जाने से पूर्व वह ग्राम हरदुआ पहुंचे और उन्होंने अपने पार्टी नेताओ से हाल चाल लिया और निर्देश दिये कि पार्टी की मजबूती के लिये वह कार्य करे और आने वाले चुनाव की तैयारी में जुटे इसके बाद पूर्व मंत्री शिवपाल सिंह यादव ने सूरज सिंह यादव हरदुआ के अनुरोध पर डिनर किया इस मौके पर सपा नेता राम नरेश यादव मिनी पूर्व विधायक कसान सिंह राजपूत सपा जिलाध्यक्ष दीपराज गुर्जर वीरपाल सिंह यादव दादी विष्णु पाल सिंह नन्नू राजा लाखन सिंह कुशवाहा खर्रा ब्रज राज सिंह यादव एडवोकेट रिछारा अखिलेश यादव कृष्णा धाम भारत सिंह यादव राजू महाराज चांदनी देवेंद्र यादव बीडीसी राजकुमार जखोली अजय उर्फ बड़े परेथा राम गोपाल यादव प्रधान पिरोना राहुल पिरोना ऋषभ गुमावली कपिल गुमावली लाखन सिंह भरसुड़ा जय नारायण सिंह जमरोही ध्रुव तिवारी धमसेनी एडवोकेट प्रशांत यादव अन्ना हरदुआ समरथ सिंह यादव दद्दा जमरोही रोहित भरसुडा कार्तिक पटेल राकेश यादव सेवड़ी अरविंद्र कुमार यादव अध्यक्ष सहकारी समिति एट कृष्ण कुमार पिरोना गुलाब जमरोही जय नारायण दद्दा कोमल सिंह नेता जी जमरोही जगदीश बाबूजी संजीव कुमार गुमावली रणजीत सिंह विजय कुमार यादव प्रधान विनोद कुमार पूर्व प्रधान सभासद नफीस सिद्दीकी जालौन डा गौरव सिंह यादव हरदुआ राकेश यादव आदि मौजूद रहे आभार समाज सेवी और स्वागत कर्ता सूरज सिंह यादव एडवोकेट हरदुआ और ई सौरभ यादव हरदुआ ने जताया सुरक्षा व्यवस्था में एट थाने के एसएसआई मोहित कुमार दरोगा जितेंद्र सिंह सिपाही विकास पटेल सहित तमाम पुलिस कर्मी मौजूद रहे इसके बाद मंत्री का काफिला झांसी की तरफ कूच कर गया

आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान जिला कार्यशाला विंध्यनगर मेंन रोड धोटी जिला सिंगरौली मैं कार्यक्रम संपन्न हुआ

क्यूँ न लिखूँ सच / जिसमें मुख्य रूप से जिला अध्यक्ष सुंदरलाल शाह विधायक सिंगरौली

रामनिवास शाह विधायक देवसर राजेंद्र मेश्राम पूर्व विधायक अमर सिंह राम लल्लू बैस्य चितरंगी मंडल अध्यक्ष अजय द्विवेदी सहित जिला पदाधिकारी एवं मंडल अध्यक्ष उपस्थित रहे जो निम्न बिंदुओं पर चर्चा की गई 1. आत्मनिर्भर भारत यह भारत सरकार द्वारा 2020 में शुरू किया गया एक राष्ट्रीय अभियान है, जिसका उद्देश्य भारत को आर्थिक, सामाजिक और तकनीकी रूप से स्वावलंबी बनाना है। इसके मुख्य बिंदु- स्थानीय उत्पादन को बढ़ावा- लोकल फॉर वोकल - यानी स्वदेशी वस्तुओं का उपयोग और प्रचार। रोज़गार सृजन- नए उद्योग और स्टार्टअप्स को प्रोत्साहन। आयात पर निर्भरता कम करना- ज़रूरी वस्तुएँ और तकनीक देश में ही तैयार करना। 5 स्तंभ- अर्थव्यवस्था, इंफ्रास्ट्रक्चर, सिस्टम, डेमोग्राफी (जनशक्ति), और डिमांड। उद्देश्य- भारत दुनिया की मज़बूत अर्थव्यवस्था बने और संकटों (जैसे कोविड-19 महामारी) में भी आत्मनिर्भर रह सके। सरल भाषा में- आत्मनिर्भर भारत का मतलब है भारत अपने संसाधनों और मेहनत से ही विकास करे और विदेशी वस्तुओं पर कम निर्भर रहे। 2. सेवा पखवाड़ा सेवा पखवाड़ा एक राष्ट्रीय कार्यक्रम है, जिसे आमतौर पर 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक पूरे देश में मनाया जाता है। इसकी शुरुआत 2022 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस (17 सितम्बर) से की गई थी। इस दौरान विभिन्न सेवा और जनकल्याण कार्यक्रम चलाए जाते हैं। इसके प्रमुख कार्य- स्वास्थ्य सेवाएँ - रक्तदान शिविर, स्वास्थ्य जांच, टीकाकरण, मुक्त अभियान। स्वच्छता अभियान - गाँवों और शहरों में सफाई अभियान। पर्यावरण संरक्षण - वृक्षारोपण, जल संरक्षण। सामाजिक सेवा - अनाथालय, वृद्धाश्रम, अस्पतालों में मदद। जनजागरूकता - सरकारी योजनाओं की जानकारी लोगों तक पहुँचाना। सरल भाषा में- सेवा पखवाड़ा एक जनसेवा का पर्व है, जिसमें समाज और राष्ट्र के लिए विभिन्न कल्याणकारी कार्य किए जाते हैं। संक्षेप में- आत्मनिर्भर भारत = भारत को स्वावलंबी बनाना, स्थानीय उत्पादन और रोजगार को बढ़ावा देना। सेवा पखवाड़ा = 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक चलने वाला सेवा और जनकल्याण का अभियान, जिसमें समाज की भलाई के लिए तरह-तरह की गतिविधियाँ होती हैं।

समय-सीमा में जनमन आवास योजना एवं विकास कार्य पूर्ण करें - सीईओ हिमांशु जैन

क्यूँ न लिखूँ सच / शिवपुरी। जिले में संचालित प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना एवं अन्य विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा हेतु जिला पंचायत सीईओ हिमांशु जैन की अध्यक्षता में करैरा एवं नरवर जनपद पंचायत क्षेत्र की संयुक्त बैठक रामराजा गार्डन में आयोजित की गई। बैठक में सीईओ श्री जैन ने स्पष्ट निर्देश दिए कि 30 सितम्बर तक जिले के सभी जनमन आवास से संबंधित कार्य अनिवार्य रूप से पूर्ण कर लिए जाएं। उन्होंने चेतावनी दी कि निर्धारित समय-सीमा का पालन न करने पर संबंधित कर्मचारियों एवं अधिकारियों के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई की जाएगी। बैठक में करैरा एवं नरवर विकासखंड के सरपंच, सचिव तथा ग्राम रोजगार सहायकों को आवास निर्माण कार्य, आंगनवाड़ी भवनों की प्रगति, गौशाला संचालन एवं पंजीयन, पंचायत भवन तथा सामुदायिक भवनों की पूर्णता संबंधी जिम्मेदारियां विस्तार से समझाई गईं। सीईओ ने सख्त लहजे में कहा कि कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही या विलंब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। प्रगति रिपोर्ट असंतोषजनक मिलने पर दोषी पंचायतों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। गौरतलब है कि शासन की मंशा के अनुरूप प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना को जिले में गंभीरता से लागू करने के लिए जिला पंचायत सीईओ श्री हिमांशु जैन लगातार बैठकों के माध्यम से कार्यों की समीक्षा कर रहे हैं। बैठक में नरवर सीईओ ब्रह्मेन्द्र गुप्ता, करैरा सीईओ हेमंत सूत्रकर, करैरा एपीओ अखिल उपाध्याय सहित सरपंच, सचिव एवं रोजगार सहायक उपस्थित रहे।

जन चौपाल में गूंजा विकास का संदेश - मा0 राज्यमंत्री ने सुनी समस्याएं, योजनाओं का लाभ कराया

क्यूँ न लिखूँ सच / राजेंद्र विश्वकर्मा / ग्रामीणों की समस्याओं के समाधान और केंद्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ सीधे जनता तक पहुँचाने के उद्देश्य से आज ग्राम ऐरी रमपुरा (वि.सं. डकोर) में जन चौपाल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मा0 राज्यमंत्री, गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग विभाग, उ0प्र0 श्री संजय सिंह गंगवार ने की। मा0 प्रभारी मंत्री जी ने ग्रामीणों की समस्याओं को सुना और मौके पर ही संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार का उद्देश्य है कि कोई भी पात्र व्यक्ति योजनाओं से वंचित न रहे। मा0 मंत्री जी ने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री जी की घोषणा के उपरांत आज आपके गांव में जूनियर हाई स्कूल और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बनकर तैयार हो गया है। अब शिक्षा और स्वास्थ्य की सुविधाएं आपको गांव में ही मिलेंगी। यह प्रधानमंत्री जी और मुख्यमंत्री जी की मंशा है कि ग्रामीण अंचलों के लोग बिना कठिनाई के बुनियादी सेवाओं से लाभान्वित हों। उन्होंने केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं का उल्लेख किया, जैसे कि प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, स्वच्छ भारत मिशन, आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, कन्या सुमंगला योजना और मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना। विशेष रूप से प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत 5 लाभार्थियों को मकान की चाबियां वितरित की गईं और आयुष्मान भारत योजना के लाभार्थियों को आयुष्मान कार्ड प्रदान किए गए। मा0 प्रभारी मंत्री जी ने आंगनबाड़ी विभाग द्वारा आयोजित गोद भराई एवं अन्नप्राशन संस्कार कार्यक्रम में भाग लिया और लाभार्थियों को आशीर्वाद दिया। उन्होंने कार्यक्रम में लगाए गए विकासपरक विभागीय स्टॉलों का अवलोकन किया और योजनाओं की जानकारी प्राप्त की। सदर विधायक गौरीशंकर वर्मा ने कहा कि प्रदेश सरकार गांव, गरीब और किसान कल्याण के लिए लगातार काम कर रही है। विकास के लिए सड़क, बिजली, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी योजनाओं को प्राथमिकता दी जा रही है। आपके गांव में विद्यालय और स्वास्थ्य केंद्र की शुरुआत इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। हम सब मिलकर क्षेत्र को विकास की नई ऊँचाइयों पर ले जाएंगे। जन चौपाल में जिला पंचायत अध्यक्ष घनश्याम अनुरागी, सदर विधायक गौरीशंकर वर्मा, विधायक माधौगढ़ मूलचंद निरंजन, जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय, पुलिस अधीक्षक डॉ0 दुर्गेश कुमार, जल शक्ति मंत्री के प्रतिनिधि अरविंद चौहान, भाजपा जिलाध्यक्षा श्रीमती दीक्षित सहित अन्य नप्रतिनिधि और अधिकारी उपस्थित रहे, कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

होटलों व ढाबों पर खाद्य विभाग की बड़ी कार्रवाई, घरेलू गैस सिलेंडर जब्त

क्यूँ न लिखूँ सच / राज शर्मा (कटारे)/शिवपुरी। कलेक्टर रवीन्द्र कुमार चौधरी के निर्देश पर खाद्य विभाग की टीम ने बुधवार को शिवपुरी नगर के विभिन्न होटलों और ढाबों पर छापामार कार्रवाई की। इस दौरान घरेलू गैस सिलेंडरों का अवैध भंडारण पाए जाने पर आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज किए गए। जांच जिला आपूर्ति अधिकारी तुलेश्वर कुर्रे एवं सहायक आपूर्ति अधिकारी जसराम जाटव के संयुक्त नेतृत्व में की गई। कार्रवाई के दौरान बापू जी ढाबा से 03, सूर्या ढाबा से 03, पंडित जी ढाबा से 01 और राजस्थानी ढाबा से 01, इस प्रकार कुल 08 घरेलू गैस सिलेंडर (14.2 किग्रा) जब्त किए गए। खाद्य विभाग ने इन चारों प्रतिष्ठानों के विरुद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 की धारा 3/7 के तहत प्रकरण दर्ज कर आगे की कार्यवाही के लिए कलेक्टर शिवपुरी को प्रस्तुत किए हैं। इस कार्रवाई में नरेश यादव एवं विपिन जैन भी सहयोगी के रूप में उपस्थित रहे। विभाग का कहना है कि यह अभियान उन सभी के लिए चेतावनी है, जो नियमों का उल्लंघन कर अवैध भंडारण करते हैं। नियमों का पालन न करने वालों के विरुद्ध कठोर दंडात्मक कार्यवाही जारी रहेगी।

तहसील परिसर में आज आयुष विभाग द्वारा दसवां आयुर्वेदिक दिवस 2025 पर वृहद आयुष चिकित्सा शिविर का आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच / राकेश गुप्ता / शाली कलेक्ट्रेट/तहसील परिसर में आज आयुष विभाग शामली द्वारा 10वाँ आयुर्वेद दिवस-2025 के अवसर पर वृहद आयुष चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। जिसका उद्घाटन जिलाधिकारी शामली श्री अरविन्द कुमार चौहान द्वारा फीता काटकर किया गया एवं आयुर्वेद के जनक महर्षि पंतजलि के चित्र पर माल्यापर्ण व दीप प्रज्जवलित कर किया गया। इस अवसर पर विनय कुमार तिवारी,मुख्य विकास अधिकारी,श्री सत्येन्द्र सिंह,अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0),छ शामली उपस्थित रहें। विभागीय अधिकारी के अनुसार आयोजित स्वास्थ्य शिविर में लगभग 280 रोगियों का स्वास्थ्य परीक्षण कर नि:शुल्क औषधियों का वितरण किया गया। आयुर्वेद के प्रचार प्रसार हेतू स्वास्थ्य शिविर में स्श्वष्ठ लगाकर जन जागृति अभियान के अन्तर्गत आयुर्वेद से सम्बन्धित विडियों चलाकर आम लोगों को आयुर्वेद के बारे में जानकारी दी गयी। स्वास्थ्य शिविर में आयुर्वेदिक औषधिय पौधों की प्रर्दशनी भी लगायी गयी एवं आम जनमानस को औषधिय पौधों का वितरण किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी को डा0 अर्चना के द्वारा शिविर में आयुर्वेदिक औषधियों एवं पौधों के औषधिय गुणों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गयी, आयुर्वेदिक भारतवर्ष की सबसे प्राचीन चिकित्सा पद्धति है। जिससे सभी जटिल रोग जैसे- डाइबिटिज हदृय रोग, उदर रोग, वात रोग, व अन्य रोगों से निदान के बारें में दैनिक जीवन आहार एवं अन्य जीवन शैली पर प्रकाश डाला गया, दैनिक दिनचर्या में आयुर्वेद के प्रयोग से बीमारी से बचाव समूल रूप से उपचार किया जाता है।स्वास्थ्य शिविर में योगाचार्यों के द्वारा योग का महत्व बताया गया कि योग को दैनिक जीवन में अपनानें से अनेको रोगों से मुक्ति मिलती है, एवं योग करने के बारे में प्रेरित किया गया। स्वास्थ्य शिविर में राजकीय इंटर कॉलेज केरटू, शामली के छात्राओं के द्वारा प्रतिभाग किया एवं एक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया जिससे आयुर्वेद के प्रचार प्रसार को बढ़ाने में योगदान रहा। स्वास्थ्य शिविर एवं आयुर्वेदिक दिवस के नोडल अधिकारी डा0 विधु शेखर मलिक जिला होम्योपैथिक चिकित्साधिकारी के द्वारा कार्यक्रम संचालन किया गया।स्वास्थ्य शिविर में अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 विनोद कुमार एवं आयुर्वेदिक चिकित्सको द्वारा डा0 अर्चना, डा0 गायत्री शर्मा, डा0 सुधीर मलिक ने रोगियों का परीक्षण कर औषधियों का वितरण किया गया।

संक्षिप्त समाचार

अधिशासी अधिकारी जयवीर शर्मा का प्रबंध समिति जैन मंदिर द्वारा जोरदार स्वागत किया गया

क्यूँ न लिखूँ सच / राकेश गुप्ता जलालाबाद शामली जलालाबाद नगर पंचायत अधिशासी अधिकारी जयवीर शर्मा का प्रबंध समिति के मंत्री सुशील जैन द्वारा पटका पहनकर, जोरदार स्वागत किया गया जलालाबाद श्री 1008 पार्श्वनाथ दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र जलालाबाद मैं नगर पंचायत जलालाबाद अधिशासी अधिकारी जयवीर शर्मा का जैन मंदिर पहुंचने पर प्रबंध समिति के महामंत्री सुशील जैन द्वारा स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया द्य अधिशासी अधिकारी जयवीर शर्मा द्वारा कहा गया कि नगर में साफ सफाई पार्श्वनाथ द्वार से जैन मंदिर तक वृक्षारोपण किया जाएगा और साफ सफाई का विशेष ध्यान रखा जाएगा द्य और किसी भी नगर वासी को कोई समस्या नहीं होने दी जाएगी लिपिक मुकेश सैनी मौजूद रहे द्य

श्री राम सीता लक्ष्मण को रथ में बैठा कर गंगा के समीप पहुंचते हैं राम केवट संवाद दर्शक हुए भाव विभोर

क्यूँ न लिखूँ सच / राकेश गुप्ता जलालाबाद शामली जलालाबाद केवट संवाद से दर्शक हुए भाव विभोर जलालाबाद रामलीला मैदान में चल रही रामलीला में राम-केवट संवाद और दशरथ मरण की लीला का मंचन देख दर्शक भाव विभोर हो गए। जलालाबाद रामलीला रंगमंच पर भगवान श्रीराम, सीता, लक्ष्मण को रथ पर बैठाकर गंगा के समीप पहुंचते हैं। वहां पर उनकी भेंट निषादराज से होती है। श्रीराम से सारा वृतांत सुनकर गंगा पार के लिए निवेदन करते हैं, जो केवट को आवाज लगाते हैं। केवट कहता है कि मैं अपनी नैया में प्रभु अब न बैठाऊंगा। राम पूछे रहे है क्यों, केवट कहते है कि प्रभु आपके चरणों से पत्थर की शिला नारी बन गई थी, मेरी नाव भी नारी ना बन जाए। वह श्रीराम के चरणों को धोने के लिए कहता है, तभी नाव में बिठाऊंगा इस प्रकार केवट भगवान के चरण धोता है। चरण धोकर नाव में श्रीराम लक्ष्मण, सीता का बैठाता है। केवट श्रीराम-लक्ष्मण, सीता को गंगा पार उतार देता है। भगवान श्रीराम नाव में उतारवाई देते हैं। केवट उतरवाई नहीं लेता है। वह कहते है कि प्रभु जब मै आपके द्वार आऊं, तो भवसागर पार उतार देना। गंगा पार के बाद श्रीराम लक्ष्मण, सीता चित्रकूट में जाकर डेरा डाल देते है। वहां वह कुटिया बनाकर रहना शुरू कर देते हैं। अयोध्या के राजमहल में राजा दशरथ अचेत अवस्था में पड़े हुए हैं। सुमंत वापस अयोध्या लौट आता है। राजा दशरथ श्रीराम-लक्ष्मण, सीता के बारे में वापस आने के बारे में जानकारी लेते है आखिर में वह पुत्र वियोग में अपने प्राण त्याग देते है। वरदान मांगने पर कैकेयी को राजा दशरथ ने बहुत समझाया, परंतु वह बात से पीछे नहीं हटी, जिस कारण पुत्र वियोग में राजा दशरथ ने प्राण त्याग दिए। जिस मंचन को देख रामलीला मैदान में उपस्थित दर्शक भाव विभोर हो जाते है। इस अवसर पर प्रबन्ध समिति से अजय सैनी, रोमिल मिततल, किशोरी शरण महाराज, संजू सैनी, मुकेश आर्य, महेश चंद्र गलेती, दीपक सैनी, डा0 प्रदीप सैनी, बॉबी शर्मा, धर्मवीर सैनी, कुलदीप सैनी, नरेश शर्मा, मनोज सैनी, राकेश शर्मा, जनेश्वर सैनी, प्रदीप कश्यप, गौरव प्रजापति, अंशुल कश्यप, अशोक कोरी, आदि लोग उपस्थित रहे।

ग्राम खोहिर एवं करौटी में पशु प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच / सूरजपुर। वाटरशेड ऑर्गनाइजेशन ट्रस्ट द्वारा ग्राम खोहिर एवं करौटी में पशुपालकों के लिए एक दिवसीय पशु प्रबंधन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में आसपास के 16 ग्रामों से आए 180 से अधिक किसानों ने सहभागिता की और पशुपालन से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्राप्त कीं। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में पशुपालन को सतत आजीविका के रूप में बढ़ावा देना और किसानों को वैज्ञानिक पद्धति से पशुओं की देखभाल हेतु प्रशिक्षित करना था। इस अवसर पर पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. के. एम. यादव ने किसानों को मौसमी बीमारियों की पहचान, रोकथाम, टीकाकरण, आहार एवं रखरखाव संबंधी जानकारी दी। डॉ. यादव ने खुरपका-मुँहपका, गलघोटू और एक टांगिया जैसी सामान्य किंतु घातक बीमारियों के उपचार एवं रोकथाम पर विशेष जोर दिया। उन्होंने समय पर टीकाकरण और कृमिनाशक दवाओं के उपयोग को अनिवार्य बताया। प्रशिक्षण में संतुलित आहार, स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था तथा चारे के उचित प्रबंधन जैसे विषयों पर भी चर्चा की गई। किसानों को बताया गया कि बेहतर पोषण और साफ-सफाई से पशुओं की दूध उत्पादन क्षमता व स्वास्थ्य में उल्लेखनीय सुधार संभव है। कार्यक्रम के समापन पर उपस्थित किसानों ने अपने अनुभव साझा किए और इस आयोजन को अत्यंत उपयोगी एवं ज्ञानवर्धक बताया।

Gen Z prefers to stay at home, spending only 49 minutes a week outside; read the reason behind this.

Gen Z is often the topic of discussion for some new fashion trend or lifestyle. A recent survey revealed something that caught many people's attention. According to this survey, Gen Z spends only 49 minutes a week outside. Let's find out why this is so. Compared to Gen X, Gen Z spends less time outdoors. They are more interested in online movies and gaming at home. Gen Z also enjoys long-distance relationships. Changing times and rapidly evolving technology have brought about profound changes in the lifestyle of young people. This change is especially evident when comparing Gen Z (the generation born between 1996 and 2010) with Gen X (the generation born between 1965 and 1980). In fact, Gen Z spends significantly less time outdoors than Gen X. According to a recent survey, Gen Z spends an average of only 49 minutes outdoors on weekdays, spending the rest of their time indoors (Gen Z Habits). Gen X spends approximately 65 minutes outdoors each day, meaning Gen Z spends approximately 25% less time engaged in outdoor activities. What are the reasons for this lack of outdoor activity? 67% of Gen Z respondents admitted they could comfortably go several days without going outside. However, technology is not the only factor behind this lack of outdoor activity. 25% of Gen Z respondents dislike going out in bad weather, 16% report lack of time, and a small percentage of Gen Z individuals prefer to go out alone. They prefer to go out with a friend or partner because they find it boring to be alone. Furthermore, screen time has also become a significant barrier. The increasing digital penetration has engulfed young people so much with mobile phones, laptops, and online content that their interest in nature and the outside world has diminished. A new way of socializing while at home: Despite spending less time outdoors, Gen Z isn't letting their social lives falter. They're exploring relationships in new ways through digital platforms. A dating app report shows that Gen Z in India no longer considers long-distance relationships a hindrance, but rather embraces adventure and new experiences. Relationships started on vacation are now lasting longer, and Gen Z is maintaining them in unique ways. Couples are spending time together through video calls, watching movies online, participating in virtual gaming sessions, and even organizing online dates by ordering the same food at home. These small efforts are making Gen Z less shy of long-distance relationships.

Insults aren't just about shouting, but they can also be expressed in many other ways. These 7 mistakes will ruin a relationship.

People often believe that speaking loudly or raising their hands is disrespectful. But that's not true. Sometimes, even small things (Signs of Disrespect) can cause profound disrespect. Let's learn about 7 such things that can be deeply disrespectful to someone. Besides speaking loudly, many other things can be disrespectful— insulting someone undermines their self-confidence.When communicating, be careful not to insult someone. People often assume that disrespect only occurs when someone scolds or yells loudly. But the truth is that disrespect can be expressed in many other ways (Signs of Disrespect), sometimes intentionally, sometimes unintentionally. Such behaviors undermine relationships and deeply damage the other person's self-esteem. Let's explore 7 common behaviors that are disrespectful, even without verbal abuse or yelling. Digital multitasking - Chatting on your mobile phone or typing emails during a conversation signals to the other person that they're not important to you. This behavior may seem common, but it's deeply disrespectful and creates distance in relationships. Wasting others' time - Arriving late after making an appointment or keeping them waiting for long periods is not only careless but also disrespectful. Punctuality not only builds trust but also strengthens your credibility. Ignoring someone - In the age of social media, it's increasingly common to stay connected with someone and then suddenly ignore them. Not responding to messages and calls without explanation is disrespectful. Honest communication is essential for strong relationships. Giving half-hearted praise - Sometimes, even subtle criticism disguised as praise can become an insult. For example, "Promotion in such a short time? That's amazing." This may sound like a compliment, but it's actually a way of belittling. True praise should always be clear and from the heart. Not understanding emotions - Every person expresses their emotions differently. Dismissing someone's sadness or fear by saying, "What's there to worry about?" is dismissive of their feelings. This behavior makes the other person feel insulted. Underestimating achievements - Taking someone's success lightly is also a form of insult. For example, "The paper must have been easy, that's why you got full marks." This comment diminishes the other person's hard work. Expressing genuine happiness builds a positive image. Interrupting others - Interrupting someone while they're speaking or ignoring their opinion shows that you don't care about them. This not only offends the other person, but also creates an impression of you as arrogant and insensitive.

Include 5 high-protein breakfasts in your diet for muscle gain, relieving fatigue and weakness.

Do you feel weak every morning and your body aches after a workout? A major reason for this could be a lack of proper nutrition. Especially if you want to gain muscle, breakfast is crucial. A high-protein breakfast not only helps build muscle but also keeps you energized throughout the day. Sweating out for hours in the gym isn't enough. Including high-protein foods in your diet is essential. These 5 breakfast options can help. Are you one of those people who rushes out in the morning and eats whatever you want? If so, you're probably making the biggest mistake on your fitness journey. Especially when it comes to muscle gain, breakfast shouldn't just be about filling your stomach, but about nourishing your muscles. A proper, protein-rich breakfast keeps you energized throughout the day and also aids in muscle recovery after a workout. Protein is considered the building block of our muscles. When you work out, your muscles suffer small damages, which require protein to repair and strengthen them. Consuming protein in the morning is also important because protein levels in the body decrease overnight. Let's explore five high-protein breakfast options that are not only delicious but will also facilitate your muscle gain. Eggs - Eggs are considered the best and cheapest source of protein. One large egg contains about 6 grams of protein. Eggs contain all nine essential amino acids, which are essential for building muscle. You can prepare them in several ways: Boiled eggs: The easiest and healthiest method. Omelette: Make a delicious omelet by adding onions, tomatoes, and green peppers. Egg Bhurji: Make it even more nutritious by mixing it with paneer or vegetables. Greek Yogurt - Greek yogurt has twice the protein content of regular yogurt. It's also good for the stomach and helps with post-workout recovery. Eat it straight or make a tasty bowl by adding fresh fruit like berries, bananas, and some nuts. You can also add a little honey or peanut butter. Paneer not only tastes amazing, but it's also a great vegetarian source of protein. It digests slowly, keeping you satiated for a long time. Paneer Bhurji: Eat it with roti or brown bread for breakfast. Paneer Paratha: If you're a fan of Indian breakfasts, paneer paratha is a great option. Paneer Salad: Eat raw paneer with cucumber, tomato, and a little salt and pepper. Oats and Peanut Butter - Oats are rich in fiber and complex carbohydrates, which provide long-lasting energy. You can also use peanut butter to make it protein-rich. Cook oats in milk and add a tablespoon of peanut butter. Add some chopped almonds or walnuts on top. This breakfast will set you up for the day. Protein Smoothie - If you're pressed for time in the morning, a protein smoothie is the perfect solution. It's easy to make and can be consumed anywhere. In a blender, combine a scoop of whey protein, a little milk or almond milk, a banana, and some berries. You can also add chia seeds or flax seeds. Remember, your breakfast should include the right amount of carbohydrates and healthy fats, not just protein. All these nutrients together will promote muscle growth.

Urfi Javed will add a dash of spice to Bigg Boss 19's Weekend Ka Vaar, leaving Tanya Mittal embarrassed after listening to Amaal's song.

Urfi Javed will be seen teaching the contestants a lesson on Bigg Boss 19's Weekend Ka Vaar. Meanwhile, Tanya Mittal was also embarrassed after listening to Amaal Malik's song. This day will be Bigg Boss 19's Weekend Ka Vaar. Social media influencer Urfi Javed will be a part of it and will give the contestants tasks. A new promo for the show has been released, in which Amaal Malik is seen singing a song for Tanya Mittal, which makes Tanya blush. Watch the promo. Urfi Javed will make her entry on Weekend Ka Vaar. A new promo for Bigg Boss 19 is going viral on social media, in which Urfi Javed is seen interacting with the contestants and giving them some fun tasks. In the promo, Basir Ali, Amaal Malik, and other actors are seen walking the ramp and dancing to songs. Later, Urfi Javed asks Kunika Sadanand whose friendship she thinks will soon break. Kunika then goes to break Amaal and Tanya's heart. Amaal Malik sings a song for Tanya. Further in the show's promo, singer Amaal Malik sings a romantic song for Tanya Mittal. They dance together, causing Tanya to blush. Seeing this, Urfi Javed also says, "Tanya, you were blushing." Weekend Ka Vaar will be Bigg Boss 19's Weekend Vaar today. It's also worth noting that the concept of Bigg Boss 19 is quite different this time. It's inspired by politics, with contestants coming together to form their own government. The show features TV actor Gaurav Khanna, TV actress Ashnoor Kaur, film actor Zeeshan Qadri, singer Amaan Malik, influencer Aawaz Darbar, Tanya Mittal, and many other contestants.

Zaheer Iqbal was seen reading his wife's horoscope in a moving car, Sonakshi Sinha gave a funny reaction.

Sonakshi Sinha shared a funny video of her husband Zaheer Iqbal today, in which he is seen reading her horoscope. This video is being well-received by fans. Bollywood actress Sonakshi Sinha and Zaheer Iqbal are one of Bollywood's favorite couples. Today, Sonakshi shared a special video of her husband Zaheer Iqbal on her social media handle. In this video, Zaheer is seen reading his wife's horoscope in a fun way. Sonakshi shared a special video on Instagram today. The video clearly shows their fun and loving relationship. Posting the video on Instagram, Sonakshi wrote, "Husband @iamzahero is reading my horoscope. Looks like he's not having a good week." What's special about the video? In the video, Zaheer says, "Laughter, drama, and lots of questions." She loves a lot and wants a lot of love in return. She loves long phone calls, surprises, and emotional conversations.' Hearing this, Sonakshi laughs and says, 'Why are you so weird?' Zaheer replies, 'Why are you sending me June? I know you. June girls are lovely.' Zaheer's post for Sonakshi A few days ago, Zaheer had written a sweet post on Sonakshi's 15 years in Bollywood, in which he wrote, 'Happy 15 years. I am most proud of you. This is just the beginning.' In response, Sonakshi wrote, 'I love you so much. I can do anything with you.' He also shared another funny video in which the two playfully recreated Sonakshi's famous line, 'I am not afraid of slaps,' and showed their behind-the-scenes moments. Sonakshi and Zaheer - Sonakshi and Zaheer got married on June 23, 2024, after dating for seven years. The wedding took place at Sonakshi's home in Mumbai, attended only by close friends. A lavish reception followed, attended by stars like Salman Khan, Rekha, and Kajol.

Who is Rukmini Vasanth? After 'Kantara Chapter 1,' she will be seen in this film with 'KGF' star Yash.

Rukmini Vasanth! She is set to appear in popular films in the South industry. One film is 'Kantara Chapter 1,' starring Rishabh Shetty in the lead role. After this, she will also be seen in Yash's film. Know who is Rukmini Vasanth? Actress Rukmini Vasanth will play a key role in the Rishabh Shetty-starrer 'Kantara Chapter 1.' The trailer for this film was released today. After Rishabh Shetty, Rukmini also has another film with a South superstar. She will also be seen in 'KGF' fame Rocky Bhai, aka Yash's, next film. Let's know about Rukmini: Rukmini will be seen in this Yash film. Rukmini will also be seen in South superstar Yash's next highly-anticipated film, 'Toxic.' Rukmini Vasanth is a well-known actress active in the South industry. She primarily works in Kannada, Tamil, and Telugu films. She began her career with "Birbal" (2019). Rukmini gained popularity in 2023 with the romantic drama "Sapta Sagaradachche Elo: Side A," for which she won the Filmfare Critics Award for Best Actress (Kannada). When will "Kantara: Chapter 1" release? Rukmini recently made headlines for her role in "Kantara: Chapter 1." Following this, she will also be seen in important roles in Yash's "Toxic" and Prashanth Neel-Jr. NTR's "Dragon." "Kantara: Chapter 1" is also directed by Rishab Shetty. It is one of Hombale Films' biggest projects. The film will release on October 2, coinciding with Dussehra. Rukmini's popular films - Talking about Rukmini's popular films, she has worked in big banner Kannada films like 'Banadariyali', 'Bagheera' and 'Bhairathi Ranagal'. Apart from this, she has also shown her acting prowess in Telugu and Tamil industry through films like 'Appudo Ippudo Appudo' and 'Ace'. Rukmini was also seen in 'Madharasi' released on 05 September 2025, in which Sivakarthikeyan played an important role. Rukmini has a good fan following on social media. 1.4 million people follow her on Instagram.